सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 136 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 28 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

महतारी वंदन योजनाः सत्यापन के बाद भी नहीं मिलेंगे रुपए, बैंक में जाकर कराएं डीबीटी एक्टिव

भिलाई। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश भर से लाखों महिलाओं ने आवेदन किया है। वर्तमान में आवेदनों की जांच की जा रही है और अधिकतर आवेदन सत्यापित भी हो चुके हैं। 8 मार्च को सरकार डीबीटी के माध्यम से 1000 रुपए प्रति महिला के खाते में ट्रांसफर करेगी। सत्यापित होने के बाद भी क्या आपको महतारी वंदन योजना की राशि मिल पाएगी। इसमें क्या अड़चन आ सकती है यह हम बता रहे हैं।

दरअसल छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत दी जाने वाली राशि DBT (DIRECT BENEFIT TRANSFER) के माध्यम से भुगतान किया जायेगा। इसके लिए हितग्राही के बैंक खाते में DBT ENABLE होना चाहिए। हितग्राही अपने बैंक में जाकर यह जांच कराएं कि उनका खाते में DBT इनेबल है या डिसेबल। यदि डिसेबल है तो बैंक के संबंधित अधिकारी से कहें कि उनके बैंक खाते में आधार बेस्ड DBT ENABLE किया जाए। जिससे उनके आधार नंबर से ही उनके खाते में राशि अंतरण हो सके। यह प्रक्रिया नहीं करने पर आपके खाते में रुपए ट्रांसफर नहीं होंगे।

रिश्वत की मांग करने वाला सिपाही निलंबित, एसपी ने की सख्त कार्रवाई

कोरबा। एसपी ने कटघोरा थाने में पदस्थ आरक्षक नंदलाल सारथी को निलंबित कर दिया है। आरक्षक पर आरोप है कि उसने एक व्यक्ति से मामला रफा दफा करने के एवज में 50000 रुपये की मांग की थी।

एसपी ने जन सूचना के तहत मिली शिकायत के आधार पर जब मामले की जांच की तो शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। एसपी ने आरक्षक नंदलाल सारथी को निलंबित कर दिया। एसपी द्वारा उठाए गए इस कठोर कदम से महकमें में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि कटघोरा थाने में इस मामले को लेकर पीड़ित पक्ष ने शिकायत दर्ज की थी। इसके बाद अगले पक्ष पर आरक्षक के द्वारा कार्रवाई न करने की एवज में पैसे की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने पर एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने तत्काल जांच की।

प्रत्याशी बदलकर हर बार जीती भाजपा

सरगुजा लोकसभा : रेणुका रिपीट होगी या एक बार फिर मिलेगा नया प्रत्याशी?

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। जिस सरगुजा के बूते इस बार भाजपा प्रदेश में सरकार बनाने में कामयाब रही, वहां का संसदीय इतिहास भी बड़ा दिलचस्प है। 8 विधानसभाओं वाले सरगुजा लोकसभा क्षेत्र में विगत 4 चुनाव से भाजपा जीतती रही है और यह कारनामा तब हुआ है, जब वहां हर बार पार्टी ने अपना प्रत्याशी बदला है। 2019 के चुनाव में यहां से रेणुका सिंह ने जीत हासिल की और केन्द्रीय मंत्री बनीं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि हर बार प्रत्याशी बदलने का रिकार्ड भाजपा बरकरार रखेगी या फिर रेणुका सिंह को एक बार फिर रिपीट किया जाए? हालिया सम्पन्न विधानसभा चुनाव में पार्टी रेणुका सिंह भरतपुर सोनहत से विधायक निर्वाचित हुई थीं, जिसके बाद उन्होंने सांसद पद छोड़ दिया था। वे सीएम पद की प्रमुख दावेदार भी रहीं। फिलहाल दोनों ही दलों से कई प्रत्याशियों के नाम चर्चा में हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस यहां अपने लिए गुंजाइश तलाश रही है, जबकि भाजपा इस सीट को जीता हुआ मानकर चल रही है।

माना जाता था कि छत्तीसगढ़ में सत्ता की चाबी बस्तर से मिलती है। लेकिन इस विधानसभा चुनाव में यह चाबी भाजपा को सरगुजा से मिली। सरगुजा संभाग की सभी 14 सीटें भाजपा ने जीतीं तो इस क्षेत्र को पहली बार प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिला। विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री बने तो मंत्रिमंडल में भी कई विधायकों को जगह मिली। ऐसे में भाजपा को सरगुजा को लेकर आश्वस्त रहना अप्रासंगिक नहीं है। एसटी आरक्षित इस सीट में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें अंबिकापुर, सीतापुर, लुंड्रा, बलरामपुर जिले की सामरी और रामानुजगंज-बलरामपुर. सूरजपुर जिले की प्रतापपुर, प्रेमनगर और भटगांव विधानसभा शामिल हैं। सरगुजा को भाजपा का गढ़ माना जाता है। विगत 4 चुनाव से यहां भाजपा लगातार जीत हासिल करती आई है। खास बात यह है कि पार्टी ने हर बार लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बदला और अपना परचम लहराया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 2004 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में भाजपा से नंदकुमार साय ने चुनाव जीता था। इसके बाद 2009 में मुरारीलाल चुनाव जीतकर सांसद बने। फिर 2014 में भाजपा के कमलभान सिंह ने कांग्रेस उम्मीदवार रामदेव राम को हराया। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में रेणुका सिंह चुनाव जीतीं और मोदी कैबिनेट में उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री बनाया गया।

कांग्रेस में दावेदारों की भरमार

कांग्रेस की बात करें तो पार्टी विधानसभा चुनाव में मिली करारी पराजय के बाद फूंक-फूंककर कदम रख रही है। सरगुजा को टीएस सिंहदेव का गढ़ कहा जाता था, लेकिन इस बार वे खुद अपनी विधायकी नहीं बचा पाए। जाहिर है कि ऐसे में कांग्रेस को सरगुजा लोकसभा सीट में कड़ी चुनौती मिलने के आसार हैं। कांग्रेस से टिकट के दावेदारों की चर्चा करें तो पूर्व शिक्षामंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। प्रतापपुर क्षेत्र से विधायक रह चुके प्रेमसाय सिंह का कांग्रेस ने इस बार टिकट काट दिया था। उनके अलावा खेलसाय सिंह की भी दावेदारी मजबूत है। वे प्रेमनगर से 4 बार विधायक और 3 बार सांसद रह चुके हैं। हालांकि इस बार वे चुनाव हार गए थे। इन दोनों के अलावा अंबिकापुर के महापौर डॉ अजय तिर्की भी टिकट के दावेदारों में हैं। इस बार रामानुजगंज से कांग्रेस ने उन्हें प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वे भी चुनाव हार गए थे। वहीं 2009 में कांग्रेस की तरफ से लोकसभा चुनाव लड़ चुके रामदेव राम भी दावेदारों की लिस्ट में हैं। फिलहाल इन नामों को लेकर कयास जारी है।

ऐसा है सरगुजा का इतिहास

सरगुजा लोकसभा सीट अस्तित्व में आने के प्रारंभिक 20 साल तक यहां कांग्रेस का कब्जा रहा है। वर्ष 1951 में पहला आम चुनाव हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस के सीएस सिंहदेव और बाबूनाथ सिंह दोनों ही सांसद निर्वाचित हुए। इसके बाद 1957 के लोकसभा चुनाव में भी यही पुनरावृत्ति हुई। वर्ष 1962, 1967 और 1971 में हुए आम चुनावों में कांग्रेस ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। कांग्रेस को 1977 में आपातकाल विरोधी लहर का खामियाजा भुगतना पड़ा और यह सीट उसके हाथ से निकल गई। जनता पार्टी के लरंग साय ने यह चुनाव जीता। इसके बाद से यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच शह और मात का सिलसिला चला। वर्ष 1980 में कांग्रेस ने सरगुजा सीट हथिया ली और 1984 में भी अपना कब्जा बरकरार रखा। लरंग साय ने 1989 में एक बार फिर जीत हासिल कर यह सीट भाजपा की झोली में डाली। कांग्रेस ने 1991 में लरंग साय के खिलाफखेलसाय सिंह को चुनाव में उतारा। खेलसाय सिंह इस चुनाव में विजयी रहे। उन्होंने 1996 के चुनाव में जीत दोहराई। वर्ष 1998 में भी ये दोनों प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने थे और लरंग साय चुनाव जीते लेकिन 1999 में खेलसाय ने उन्हें परास्त कर दिया। वर्ष 2004 में भाजपा ने फिर बाजी पलट दी और उसके बाद 2009 और 2014 और 2019 के चुनाव में लगातार जीत हासिल की। वर्ष 2003 से 2008 के बीच सरगुजा जिले के प्रेमनगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रहीं रेणुका सिंह को 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खेलसाय सिंह ने पराजित किया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में दोनों प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने थे। जहां रेणुका सिंह ने एकतरफा जीत हासिल की।

रेणुका की मजबूत दावेदारी

हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रेणुका सिंह ने भरतपुर-सोनहत से चुनाव जीता और फिर सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। रेणुका सिंह सीएम रेस में भी सबसे आगे चल रही थीं, लेकिन न तो वो सीएम बनीं और न ही उन्हें साय कैबिनेट में जगह मिली। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि सरगुजा से एक बार फिर से रेणुका सिंह टिकट की दावेदार हो सकती हैं। वहीं 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर भाजपा में शामिल हुए चिंतामणि महाराज भी दावेदारों की लिस्ट में शामिल हैं। सामरी से विधायक रहे चिंतामणि महाराज ने अंबिकापुर से टिकट मांगा था, लेकिन भाजपा ने उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने का आश्वासन दिया था। इन दोनों के अलावा पूर्व सांसद कमलभान सिंह को भी पार्टी मौका दे सकती है। इनके अलावा संघ के करीबी माने जाने वाले विजयनाथ सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामसेवक पैकरा और रामलखन पैकरा को भी टिकट का दावेदार माना जा रहा है।

चूके हुए नेताओं से परहेज

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल चूके हुए नेताओं से परहेज कर रहे हैं। सरगुजा के राजनीतिक हालातों के मद्देनजर कांग्रेस हारे हुए नेताओं पर दाँव लगाने के मूड़ में नहीं है। टिकट दावेदारों पर रायपुर से लेकर दिल्ली तक मंथन चल रहा है। दोनों दल जल्द से जल्द प्रत्याशी घोषित करने की मंशा रखते हैं। विगत विधानसभा चुनाव में भाजपा ने आचार संहिता लगने से पहले ही बहुधा सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। इसका पार्टी को फायदा भी हुआ। अब कांग्रेस भी इसी तर्ज पर समय से पहले प्रत्याशी घोषित करना चाह रही है। भाजपा की तैयारियां को अंतिम चरणों में है। माना जा रहा है कि सप्ताहभर के भीतर छत्तीसगढ़ की 5 से 6 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे। कांग्रेस आलाकमान भी दिल्ली में नामों पर मंथन कर रहा है। 2019 में कांग्रेस के जिन 2 सांसदों ने चुनाव जीता था, उन्हें एक बार फिर रिपीट करने की तैयारी है। कहा जा रहा है कि यदि कोरबा में ज्योत्सना महंत का टिकट कटता है तो उनके पति चरणदास महंत को उम्मीदवार बनाया जाएगा। बस्तर से दीपक बैज की टिकट पक्की है।

सरकारी काउंटर से शराब की अवैध बिक्री विधायक रिकेश ने उठाई जांच की मांग

प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए छत्तीसगढ़ के शराब की दुकानों में हो रही है बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में शराब की दुकानों में बिकने वाली शराब को अवैध तरीके से काउंटर से ब्लैक करने का मुद्दा गरमाया हुआ है। शराब की दुकानों के काउंटर से शराब की अवैध बिक्री को लेकर वैशाली नगर विधायक ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में अपनी बात रखी। उन्होंने इस मुद्दे पर पूर्व की कांग्रेस सरकार व आबकारी मंत्री को घेरा और इस मामले में उच्चस्तरीय जांच कराने की भी मांग की है। उन्होंने प्लेसमेंट एजेंसी की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की जिसे कई विधायकों ने अपना समर्थन दिया। इस पर विभागीय मंत्री ने सदन में प्लेसमेंट एजेंसी की जांच करवाने की घोषणा की है।

शराब की अवैध बिक्री पर गरजे विधायक रिकेश

छत्तीसगढ़ में शराब की दुकानों के काउंटर से शराब की बिक्री पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन सदन में जमकर गरजे। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार के कई मंत्री व अफसर शराब घोटाले के आरोप में फंसे हुए हैं। पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सरकारी शराब की दुकान के काउंटर से शराब को अवैध रूप से बेचे जाने की अनेक शिकायतें मिली थीं। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि इस मामले में प्लेसमेंट एजेंसी की कार्यप्रणाली पूरी तरह संदिग्ध रही इसलिए इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफएफआईआर के साथ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। विधायक रिकेश की मांग का अनेक विधायकों ने समर्थन किया।

बता दें छत्तीसगढ़ में शराब सप्लाई सरकार द्वारा कराई जा रही है। शराब की दुकानों में शराब की बिक्री का जिम्मा प्लेसमेंट एजेंसी को दिया गया है। प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा अपने कर्मचारियों के माध्यम से शराब की दुकानों में बिक्री करवाया जा रहा है। प्लेसमेंट एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा डिमांड वाली शराब को ब्लैक में बेचा जाता है। वहीं कई ऐसे ब्रांड हैं जिसे ओवररेट कर भी बेचा जा रहा है। इस संबंध में कई बार शिकायतें मिलने के बाद भी पूर्व की सरकार ने किसी प्रकार की जांच नहीं करवाई और न ही ऐसे लोगों पर कार्रवाई हुई। नजीता यह रहा कि शराब की दुकानों में बैठने वाले सेल्स मेन से लेकर मैनेजर तक मनमाने दाम पर शराब बेच रहे हैं।

ओवररेट की शिकायतें भी सबसे ज्यादा

शराब की दुकानों में कुछ ऐसे ब्रांड की शराब भी है जिसमें ओवर रेट की शिकायतें मिली हैं। मनचाहा ब्रांड होने के बाद भी शराब की दुकानों में नहीं दिया। इसके लिए ग्राहकों को अतिरिक्त दाम चुकाना पड़ता है। एक पौव्वा पर 10 से 20 व किसी-किसी में 50 रुपए तक अधिक राशि लेकर शराब दिया जाता है। इस प्रकार की शिकायतें प्रदेश की अधिकतर शराब की दुकानों में मिलेंगी। प्लेसमेंट एजेंसी सरकार से भुगतान लेने के साथ ही इस प्रकार 10, 20 व 50 रुपए की धांधली कर करोड़ों रुपए के वारे न्यारे कर रही है जो सीधा सरकार के खजाने पर चोट है। सरकार यदि शराब की दुकानों की सही जांच करवाए तो इस तरह की कई अनियमितताएं सामने आएंगी और कई बड़े नाम इसमें मिलेंगे।

तमिलनाडू में पीएम मोदी ने 17,300 करोड़ के परियोजनाओं की दी सौगात, देश के पहले हाइड्रोजन हब पोर्ट को हरी झंडी

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तमिलनाडु के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने थूथुकुडी में करीब 17,300 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में देश का पहला हाइड्रोजन हब पोर्ट और इनलैंड वाटर वे वेसल शामिल है। वेसल को हरित नौका इनिशिएटिव के तहत बनाया गया है। इसके साथ ही पीएम ने वीओ चिदंबरनार बंदरगाह पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थूथुकुडी में हरित नौका पहल के तहत भारत के पहले स्वदेशी हरित हाइड्रोजन ईंधन सेल अंतर्देशीय जलमार्ग जहाज को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद, थूथुकुडी के निकट कुलसेकरापट्टिनम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नए प्रक्षेपण परिसर का शिलान्यास किया, जिसकी लागत लगभग 986 करोड़ रुपये है। बताया जा रहा है इसके बनकर तैयार होने पर यहां से प्रति वर्ष 24 प्रक्षेपण किए जा सकेंगे। इसरो के इस नए परिसर में 'मोबाइल लॉन्च स्ट्रक्चर' (एमएलएस) तथा 35 केंद्र शामिल हैं। इससे अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा आज तमिलनाडु थूथुकुडी में प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। कई परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास किया जा रहा है। यह परियोजनाएं विकसित भारत के रोडमैप का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन परियोजनाओं में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना भी देखने को मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा मैंने एक बार मन की बात कार्यक्रम में कहा था कि देश के प्रमुख लाइटहाउस को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित 75 लाइटहाउस में विकसित की गई पर्यटन सुविधाओं को देश को समर्पित करने का सौभाग्य मिला है...यह नया भारत है।

ट्रैफिक पुलिस को सिर्फ चालान से मतलब

श्रीकंचनपथ

दुर्ग जिला कलेक्टर ट्रैफिक हादसों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने एक नई रणनीति के तहत काम करने के निर्देश यातायात पुलिस को दिये हैं। नई व्यवस्था आज से लागू होगी। शाम 6 बजे से लेकर रात 9 बजे तक पुलिस चौक-चौराहों पर नशे की हालत में वाहन चलाने वालों को पकड़ेगी। यहां नशे से मतलब केवल शराब से है। इसकी जांच के लिए पुलिस के पास यंत्र भी है। गोली खाकर घूमने वालों के लिए पुलिस के पास फिलहाल ज्यादा कुछ नहीं है। सवाल यह उठता है कि सरकार सड़क हादसों को कम करना चाहती है या केवल राजस्व इकट्ठा करना चाहती है। किसी के हेलमेट लगाने से ट्रैफिक हादसे कम नहीं हो जाते। ज्यादा से ज्यादा इतना हो सकता है कि एक्सीडेंट होने पर उसका सिर सुरक्षित रहे। ऐसा ही इंश्योरेंस और फिटनेस के बारे में भी कहा जा सकता है। ये तभी काम आते हैं जब एक्सीडेंट हो जाए। एक्सीडेंट न हों, इसका उपाय करना थोड़ा कठिन है। इसके लिए लोगों में ट्रैफिक सेंस पैदा करना होगा। अपना छत्तीसगढ़ घटिया ट्रैफिक सेंस के लिए भी जाना जाता है। पैसे आने के बाद यहां गाड़ियों की संख्या में तो बेतहाशा वृद्धि हुई है पर ट्रैफिक सेंस अभी घुटनों के आसपास ही है। इसे ऊपर आने में अभी वक्त लगेगा। पहले लोग टेम्पो और ऑटोरिक्शा को ट्रैफिक के लिए सिरदर्द मानते थे। सवारी लेने के लिए ये कहीं भी ब्रेक मारते थे। सड़क पर यू-टर्न मारते थे। जहां ट्रैफिक जाम दिखता, किनारे से निकलने के लिए ये अपना थूथना आगे बढ़ा देते थे। बेशक अब भिलाई-दुर्ग की सड़कों पर टेम्पो नहीं है पर टेम्पो चालकों की आबादी कई गुना बढ़ गई है। अब टेम्पो ड्राइवर टाइप के लोग एसयूवी, एक्सयूवी में घूमने लगे हैं। लोग बड़ी-बड़ी गाड़ियों में बैठकर सब्जी खरीदने पहुंचते हैं। चौक-चौराहों पर गाड़ी लगाकर फल-फ्रूट्स खरीदते हैं। जहां-जहां चौक चौराहों पर मंदिर हैं, वहां भी इन गाड़ियों को खड़े देखा जा सकता है। अपने शहर में चौक चौराहों पर गाड़ी मैकानिक, पंचर दुकान, नाश्ता दुकान, सब्जी दुकान, मंदिर सबकुछ है। हाइवे पर 20-30 की स्पीड में गाड़ी रेंगाने वालों की भी कमी नहीं है। दबंगों से लेकर स्विगी-जोमाटो डिलीवरी बॉयज के लिए लाल-हरी-पीली बत्ती का कोई मतलब नहीं है। ई-वाहन नई किस्म के सिरदर्द हैं। इन बेआवाज गाड़ियों में भी गजब का पिकअप और स्पीड है। वैसे, सरकार के पास एक विभाग ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने का भी है। पर इसका पूरा फोकस सरकार के लिए राजस्व इकट्ठा करने पर है। हाइवे पर आज भी सभी भारी वाहन दाहिने चिपककर चलते हैं। इससे आगे चौक पर दाहिने मुड़ने वालों के लिए रास्ता नहीं बचता। चौक पर खड़े वाहनों के कारण लोगों को मुड़ने के लिए लंबा चक्कर काटना पड़ता है। अकसर इन वाहनों की ओट से निकलने वाले पैदल और दुपहिया सवार दिखाई नहीं देते। हादसे रोकने हैं तो पहले इसपर फोकस करना होगा।

संपादकीय

राज्यसभा चुनाव

देश के तीन राज्यों-उत्तर प्रदेश, हिमाचल और कर्नाटक से राज्यसभा के पंद्रह सदस्यों के लिए चुनाव में विभिन्न पार्टियों के विधायकों के पाला बदलने की घटनाएं न तो पहली हैं और न ही ये आखिरी होंगी। मगर ऐसी घटनाएं राजनीतिक कौतुक चाहे जितना पैदा करें, इनकी सराहना नहीं की जा सकती, क्योंकि ये हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के भरोसे को कमजोर करती हैं। चाहे वे सपा के विधायक हों या कांग्रेस के या भाजपा या सुभासपा के, इन तमाम पालाबदल विधायकों की आस्था यदि अपने-अपने दल में खत्म हो गई थी, तो उन्हें अपनी विधायकी से इस्तीफा देकर नया जनादेश लेना चाहिए था, पर कोई विरले ही अब ऐसा उदाहरण पेश कर पाता है। ऐसा नहीं है कि किसी दल से विधायक या सांसद चुने जाने के बाद कोई व्यक्ति अगले पांच वर्षों के लिए बौद्धिक रूप से गुलाम बन जाता है, बल्कि विधायी सदस्य देशहित और जनहित में पार्टी लाइन के विरुद्ध बोलने को पूर्ण आजाद हैं और संविधान उन्हें इसका अधिकार देता है। हमारी संसदीय बहसों में ऐसी अनगिनत नजीरें मौजूद हैं, जब सांसदों-विधायकों ने विभिन्न मुद्दों पर पार्टी लाइन के विरुद्ध अपनी राय रखी। भारतीय लोकतंत्र की वैश्विक प्रतिष्ठा में इन असहमत आवाजों का कहीं बड़ा योगदान है। जाहिर है, ऐसे सदस्य अपने मजबूत नैतिक बल के सहारे ही मुखर होते हैं, मगर दुर्योग से हाल के वर्षों-दशकों में सत्ता या स्वार्थ-सिद्धि के लिए जोड़-तोड़ की कोशिशें ही अधिक दिखी हैं। बहरहाल, पाला बदलने वाले सदस्यों के आचरण से इतर ये राज्यसभा चुनाव राजनीतिक दलों के प्रबंध कौशल को भी उजागर कर गए। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लिए इन नतीजों में गहरे सबक हैं। अव्वल तो सपा के प्रत्याशियों के चयन से ही सहयोगी दलों की नाराजगी खुलकर सामने आ गई थी, फिर इतनी बड़ी संख्या में पार्टी के विधायकों का दामन झटकना साफ बताता है कि नेतृत्व ने उनको भरोसे में नहीं लिया था। आखिर उन्हें संतुष्ट करने की जिम्मेदारी किसकी थी? जब भाजपा ने अपना आठवां उम्मीदवार उतार दिया था, क्या तभी पार्टी नेतृत्व को अतिरिक्त सक्रियता नहीं दिखानी चाहिए थी? हैरानी की बात है कि पार्टी के मुख्य सचेतक की ही प्रतिबद्धता डांवाडोल थी और नेतृत्व इससे गाफिल था? इससे भी बुरा हाल तो हिमाचल में कांग्रेस का रहा। उत्तर भारत में यहां उसकी इकलौती सरकार है और 68 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास 40 विधायक हैं, फिर भी उसके उम्मीदवार की जो दुर्गति हुई, वह पार्टी नेतृत्व की कमजोरी को बुरी तरह उजागर कर गई। वहां उसकी सरकार ही अब संकट में है। ऐसे में, वह राज्य से लोकसभा की चार सीटों के लिए कोई उम्मीद कैसे पाल सकती है? आम चुनाव हो या विधानसभा चुनाव, उनके करीब आने पर विधायकों, सांसदों और नेताओं का पाला बदलना सामान्य बात है। मगर राज्यसभा चुनावों के लिए भाजपा व एनडीए की मोर्चेबंदी बताती है कि वे किस लक्ष्य से प्रेरित हैं और उच्च सदन में भी अपना बहुमत हासिल करने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन कितना गंभीर है। गौरतलब है कि अभी तक एनडीए को राज्यसभा में बहुमत नहीं है, फिर आम चुनाव से ठीक पहले विपक्ष से सीटें झटककर वह मतदाताओं को यह संदेश देना चाहता है कि उसका कोई मुकाबला ही नहीं है। इन चुनावों का कुलजमा पैगाम यही है कि लोकतंत्र में राजनीतिक प्रबंधन और जीत की भूख के बिना मुकाबले में टिकना भी मुश्किल होता है। हिमाचल कांग्रेस अपनी ही पार्टी की कर्नाटक इकाई से यह सीख ले सकती है।

> उत्तर भारत में यहां उसकी इकलौती सरकार है और 68 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास 40 विधायक हैं, फिर भी उसके उम्मीदवार की जो दुर्गति हुई, वह पार्टी नेतृत्व की कमजोरी को बुरी तरह उजागर कर गई। वहां उसकी सरकार ही अब संकट में है।

किसान असंतोष की जड़ें

कृषि निर्भर परिवारों का आम उपभोग खर्च औसत ग्रमीण उपभोग खर्च से नीचे चला गया है। 2022-23 की इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में औसत घरेलू उपभोग खर्च 3,773 रुपये रहा। लेकिन कृषि निर्भर परिवारों का औसत खर्च 3,702 रुपये ही था।

देश के किसान फिर आंदोलन की राह पर हैं। उनकी प्रमुख मांग है फसलों पर स्वामीनाथन फॉर्मूले के मुताबिक एमएसपी की कानूनी गारंटी और संपूर्ण ऋण माफी। इन मांगों को पूरा कराने के लिए कृषक समाज में जान बाजी पर लगा देने की भावना पैदा हुई है। इसकी वजह समझनी हो, तो ताजा जारी घरेलू उपभोग खर्च सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर गौर करना उपयोगी होगा। इस रिपोर्ट से सामने आया है कि कृषि निर्भर परिवारों का आम उपभोग खर्च औसत ग्रमीण उपभोग खर्च से नीचे चला गया है।

2022-23 की इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में औसत घरेलू उपभोग खर्च 3,773 रुपये रहा। लेकिन कृषि निर्भर परिवारों का औसत खर्च 3,702 रुपये ही था। इसके पहले हुए हर घरेलू उपभोग खर्च सर्वे में कृषि आधारित परिवारों का औसत व्यय अन्य ग्रामीण परिवारों से अधिक रहा था। कृषि आधारित परिवारों में वे दिहाड़ी मजदूर और अन्य खेतिहर मजदूर भी शामिल हैं, जिनकी आमदनी का कोई अन्य स्रोत नहीं है। इस नई सूरत की वजह क्या है, यह जानना महत्त्वपूर्ण होगा।

फिलहाल चूंकि इस संबंध में ठोस सूचनाएं उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इसके बारे में अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। संभव है कि इसका एक कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में दूसरे कारोबारों का बढ़ना हो। मसलन, पशुपालन या बागवानी जैसे धंधों में खेती से ज्यादा मुनाफा हो रहा हो। या फिर यह वजह हो सकती है कि कोरोना महामारी के दौरान शहरों से गांव लौटे मजदूरों में से अनेक वहीं रह गए हैं, जिससे श्रमिकों की अधिकता के कारण उनकी मजदूरी घट गई हो।

लेकिन कुल मिलाकर यह तस्वीर तो उभरती ही है कि खेती लगातार गैर-लाभकारी होती जा रही है। इसका बड़ा कारण लागत में लगातार बढ़ोतरी और फसल की कीमत में भारी उतार-चढ़ाव रहे हैं। इस पर भी जरूर गौर किया जाना चाहिए कि कृषि में सार्वजनिक पूंजीगत निवेश स्थिर बना हुआ है, जबकि जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का अनिश्चय बढ़ गया है। इन कारणों से खेती अधिक जोखिम भारी पेशा बन गई है। ऐसे में किसानों और कृषि निर्भर अन्य तबकों में असंतोष पैदा होना एक स्वाभाविक घटना मानी जाएगी।

यह खुशहाली तो नहीं

साल 2011-12 में सर्वेक्षण के लिए अपनाई गई विधि को 2022-23 के सर्वे में बदल दिया गया। इसलिए ताजा रिपोर्ट के बारे में यह तो कहा जाएगा कि यह आज की हकीकत को बताती है, मगर 2011-12 से उसकी तुलना करना तार्किक नहीं होगा। घरेलू उपभोग खर्च सर्वे की 2022-23 की रिपोर्ट से प्रथम दृष्टया यह धारणा बनती है कि 2011-12 की तुलना में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आम उपभोग खर्च बढ़ा है। लेकिन ये बात ध्यान में रखनी चाहिए कि 2011-12 में सर्वेक्षण के लिए अपनाई गई विधि को 2022-23 में हुए सर्वे में बदल दिया गया। इसलिए ताजा सर्वे रिपोर्ट के बारे में यह तो कहा जाएगा कि यह आज की हकीकत को बताती है, मगर 2011-12 से उसकी तुलना करना तार्किक और वाजिब नहीं होगा। ताजा सर्वे में अधिक वस्तुओं पर किए गए खर्च को शामिल किया गया, सर्वे में शामिल किए गए 2,61,746 परिवारों के पास सर्वेक्षक कई बार गए जबकि पहले वे सिर्फ एक बार उनका इंटरव्यू करते थे, और इस बार इंटरव्यू में कंप्यूटर की सहायता ली गई जबकि पहले प्रत्यक्ष रूप से कलम-कागज पर आंकड़े दर्ज किए जाते थे। इसके अलावा 80 करोड़ लोगों को हर महीने दिए जा रहे पांच किलो अनाज और अन्य मुफ्त सरकारी सेवाओं के कारण घरेलू खर्च पैटर्न में हुए बदलाव को जारी व्यय आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया है।

> भारत नेट परियोजना के तहत राज्य की 9,804 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाईबर केबल से जोड़ा जा चुका है। इसके रख-रखाव एवं संचालन के लिए 66 करोड़ की पूल निधि के गठन का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में वाईफाई के माध्यम से हॉट-स्पॉट स्थापित कर प्रदेश भर में इंटरनेट की पहुंच बढ़ायी जायेगी।

छत्तीसगढ़ ई-गवर्नेन्स में मॉडल राज्य बनेगा

आनंद प्रकाश सोलंकी, सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ की नयी सरकार ने सुशासन का संकल्प लिया है। सुशासन यानि लोगों की बेहतरी के लिए प्रशासन में पारदर्शिता, कार्यों का समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा होना, अच्छा प्रबंधन, जनभागीदारी, जवाबदेही, कुशलता और कानून का पालन जैसी बातें शामिल हैं। यह किसी भी जनकल्याणकारी राज्य की प्रथम आवश्यकता होती है। नयी सरकार सुशासन की स्थापना के लिए आईटी को प्रमुख टूल के रूप में अपनाएगी। इसकी बानगी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में देखी जा सकती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा है कि छत्तीसगढ़ ई-गवर्नेंस की दृष्टि से माडल राज्य बने। उनकी मंशा के अनूरूप योजनाओं की ई-मानीटरिंग के साथ-साथ पारदर्शी प्रशासन और आईटी आधारित कर प्रणाली विकसित की जाएगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ सेंटर फॉर स्मार्ट गवर्नेन्स की स्थापना का उल्लेख बजट में किया गया है। बजट में सभी विभागों में आईटी के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक उपकरण एवं आधुनिक सॉफ्टवेयर इत्यादि की व्यवस्था के लिए 266 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 168 नगरीय निकायों में ई-गवर्नेन्स के तहत बजट एण्ड अकाउंटिंग मॉड्यूल स्थापित किया जायेगा। 47 नगरीय निकायों में प्रॉपर्टी सर्वे किये जाने हेतु GIS आधारित सॉफ्टवेयर निर्माण किया जायेगा। इससे प्रॉपर्टी टैक्स की प्राप्तियों में पारदर्शिता आयेगी। इन कार्यों के लिए 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। विभागवार महत्वपूर्ण अभिलेखों को डिजिटल रूप में तैयार करके छत्तीसगढ़ वेब अभिलेखागार में जन-सामान्य को सुविधा के लिए उपलब्ध कराया जायेगा, इसके लिए बजट में 03 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

राज्य शासन द्वारा संचालित सभी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की एकजाई मॉनिटरिंग अटल डैशबोर्ड के माध्यम से की जायेगी। इसके लिए 05 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शासकीय धन के आय-व्यय की दैनिक निगरानी के लिए एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (IFMIS-2.0) प्रारंभ की जायेगी। एकीकृत ई-प्रोक्योरमेंट परियोजना के नवीन संस्करण हेतु 15 करोड़ का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तत्परता से लागू किया जायेगा। डिजिटल एवं एआई आधारित इको सिस्टम के माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी।

भारत नेट परियोजना के तहत राज्य की 9,804 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाईबर केबल से जोड़ा जा चुका है। इसके रख-रखाव एवं संचालन के लिए 66 करोड़ की पूल निधि के गठन का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में वाईफाई के माध्यम से हॉट-स्पॉट स्थापित कर प्रदेश भर में इंटरनेट की पहुंच बढ़ायी जायेगी। इस हेतु प्रथम चरण में 1,000 ग्राम पंचायतों में वाईफाई की सुविधा के लिए पीएम वाणी परियोजना अंतर्गत 37 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शासन के विभिन्न विभागों द्वारा उपयोग किये जा रहे ई-परिसंपत्ति, मोबाईल एप, एवं वेबसाईट की सायबर सुरक्षा हेतु आवश्यक जांच एवं सर्टिफिकेशन की व्यवस्था की जायेगी।

कर प्रशासन में मजबूती एवं पारदर्शिता लाने के लिए सभी विभागों में आईटी टूल्स की सहायता ली जायेगी। कर प्राप्तियों में सुधार हेतु निगरानी तंत्र को भी मजबूत किया जायेगा। वस्तु एवं सेवाकर के संकलन में सुधार एवं पारदर्शिता के लिए राज्य मुख्यालय में बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट की स्थापना की जायेगी। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए डाटा ड्रिवन फ्रॉड एनालिसिस सहित राजस्व संवर्धन के अन्य उपाय सुनिश्चित किये जायेंगे। इस हेतु 09 करोड़ 50 लाख का प्रावधान किया गया है। वस्तु एवं सेवा कर संबंधी अपीलीय मामलों के त्वरित निराकरण हेतु अधिकरण की स्थापना के लिए 05 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

भूमि एवं भवनों का हस्तांतरण तथा अन्य विविध पंजीकृत संव्यवहार हेतु राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (NGDRS) सॉफ्टवेयर का उपयोग सभी जिलों में लागू किया जायेगा, इससे धोखाधड़ी एवं बेनामी लेन-देन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। विचाराधीन संपत्तियों का ऑटोवेल्यूवेशन मॉड्यूल के तहत बाजार मूल्य की ऑनलाईन गणना का विकल्प होने से राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि होगी, इसके लिए 10 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार के वर्ष 2024-25 के बजट में रायपुर-भिलाई सहित आसपास के क्षेत्रों को स्टेट कैपिटल रीजन के रूप में विकसित कर यहां विश्वस्तरीय आईटी सेक्टर विकसित किया जायेगा। नवा रायपुर, अटल नगर में लाईवलीहुड सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस एवं दुर्ग जिले में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप स्थापित किया जायेगा। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए इन्यूबेशन सेंटर की स्थापना तथा बीपीओ एवं केपीओ को आकर्षित करने के लिए आईटी पार्क की स्थापना की जायेगी। नवा रायपुर में आईटी आधारित रोजगार सृजन हेतु 'प्लग एण्ड प्ले' मॉडल का विकास किया जायेगा, इससे आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन के नये अवसर विकसित होंगे।

जल संसाधन के बेहतर प्रबंधन हेतु डिजिटल सूचना प्रणाली विकसित की जायेगी। इसके लिए राज्य जल सूचना केन्द्र की स्थापना हेतु 01 करोड़ 56 लाख का प्रावधान किया गया है। जल जीवन मिशन की मॉनिटरिंग के लिए डैशबोर्ड एवं राज्य पोर्टल के साथ-साथ शिकायत निवारण एवं नये कनेक्शन हेतु ऑनलाईन आवेदन की व्यवस्था शुरू की जायेगी। जल की गुणवत्ता की ऑनलाईन मॉनिटरिंग की जायेगी।

भू-नक्शों का जियो-रिफ्रेन्सिंग कराया जायेगा तथा प्रत्येक भू-खंड में यूएल पिन नंबर देते हुए भू-आधार कार्ड जारी किया जायेगा। नगरीय क्षेत्रों में 1: 500 के स्केल पर भूमि का नवीन सर्वेक्षण प्रारंभ किया जायेगा। इससे शहरी क्षेत्रों में छोटे भू-खण्डों को भू-नक्शे पर दर्ज किया जाना संभव हो सकेगा। भू-अभिलेखों को सिविल न्यायालयों से लिंक किया जायेगा। इससे सिविल न्यायालय द्वारा भूमि संबंधी प्रकरणों में पारित आदेशों के परिपालन में भू-अभिलेख का सुधार कार्य ऑनलाईन प्रक्रिया से संभव हो सकेगा। भूमि व्यपवर्तन की प्रक्रिया को ऑनलाईन एवं सरल किया जायेगा।

सायबर क्राईम के प्रकरणों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए कबीरधाम, कोरबा, राजनांदगांव एवं रायगढ़ जिले में 04 नवीन सायबर पुलिस थानों की स्थापना के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। ई-कोर्ट मिशन प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन हेतु हार्डवेयर इंजीनियर एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटर के 596 पदों के सृजन का प्रावधान किया गया है।

गीत-गजल में खूब प्यार और मिठास भर गए पंकज उधास

अजय प्रसन्ना, बांसुरी वादक

गजल गायन को लोकप्रियता के बहुत ऊंचे मुकाम पर पहुंचाने वाले पंकज उधास जब नहीं हैं, तब उनके साथ संगत की अनेक यादें उमड़ रही हैं। वह शिमला की ठंड में खुले आसमान तले दिल को सहलाती गजल याद आ रही है कि आप जिनके करीब होते हैं, वो बड़े खुशनसीब होते हैं।

अब वह हम सबसे इतनी दूर चले गए कि फिर न लौटेंगे। कैसे भूल सकता हूं, 1980 के दशक के आखिरी वर्षों की वह बात। तब दिल्ली से शिमला जाना उतना आसान नहीं था। हम लोगों को कार्यक्रम के लिए वहां पहुंचना था। यह पंकज उधास का महत्व ही था कि एक वायुदूत विमान का इंतजाम हुआ और हम आनन-फानन में शिमला पहुंचे। उन्हें सुनने के लिए हर तरह के लोग आए थे। उच्चवर्गीय महफिलों, बंगलों से लेकर किसी रिक्शावाले की झुग्गी तक, पंकज उधास समान चाव से सुने जाते थे। समाज के लगभग हर वर्ग, हर इंसान के लिए वह कुछ न कुछ बहुत उच्च कोटि का गा गए हैं, बेशक, उन्हें सदियों तक सुना जाएगा। वह अपनी कशिश और मिठास भरी आवाज से दिल की गहराइयों का बार-बार स्पर्श करते रहेंगे।

साल 1990, दुबई की वह शाम भी याद आ रही है, जब वह गा रहे थे, बड़े दिनों के बाद हम बे-वतनों को याद, वतन की चिट्ठी आई है, तब लोगों की आंखें भर आई थीं। एक-एक अंतरे पर लोग सिसकते थे और जब गीत देश पराया छोड़ के आजा, पंजी पिंजरा तोड़ के आजा तक पहुंचा, तब श्रोताओं के बीच कोई ऐसा नहीं था, जो रो नहीं रहा था। पंकज उधास को नाम फिल्म (1986) के गीत चिट्ठी आई है से जो ख्याति मिली, उसकी कोई तुलना नहीं है। गीतकार आनंद बक्षी का लिखा और लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के संगीत से सजा यह गीत कालजयी श्रेणी का भारतीय सुगम संगीत है। सबसे बड़ी बात, फिल्म में यह गीत पंकज उधास पर ही फिल्माया गया है। शॉल ओढ़ने का उनका वह अंदाज भी समाज में चल पड़ा था।

उनके जाने के बाद हम अनेक कलाकारों के बीच चर्चा हो रही थी और सभी याद कर रहे थे कि पंकज उधास अपने साथ संगत करने वालों को परिवार के सदस्य जैसा स्नेह देते थे। जब उनकी ख्याति एकदम चरम पर पहुंच गई थी, तब मैं नया था, पर मुझे भी उन्होंने बहुत सम्मान-स्नेह दिया। उनकी एक बड़ी खूबी यह भी थी कि वह बहुत प्रोत्साहित करते थे। कहते थे, केवल मेरे साथ साज बजाने तक सीमित न रहो, स्वतंत्र रूप से भी प्रदर्शन के लिए स्वयं को तैयार करो। फोन पर भी वह पूछते रहते थे कि तुम अलग क्या कर रहे हो?

उनकी हर प्रस्तुति सफल होती थी। कभी ऐसा नहीं हुआ कि हॉल में सीटें खाली रह गई हों। जब हॉल में सीटें भर जाती थीं, तो लोग खड़े होकर सुनते थे। उनके एक से बढ़कर एक गीत बस सुनते चले जाइए, चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल..., इक तरफ उसका घर, एक तरफ मयकदा, या घुंघरू टूट गए...।

वह अक्सर बताते थे कि उन्होंने अनूप जलोटा, हरिहरन के साथ संगीत की दुनिया में संघर्ष शुरू किया था और उनके दो अन्य भाई भी बहुत सुंदर गाते थे। उनके भाई मनहर उधास की भी अपनी शैली थी। उस दौर में ज्यादातर संगीतकारों, गायकों ने अपनी शैली विकसित कर रखी थी। पंकज उधास की शैली का अनुसरण न जाने कितने गायक-कलाकार आज करते हैं।

वह आज के समय में भी व्यस्त कलाकार थे और करीब दो साल तक के उनके कार्यक्रम तय होते थे। हम गौर करें कि गजल की भाषा पर भी उनका असर है, वह मुश्किल लफ्जों के बजाय आसान लफ्जों को तरजीह देते थे, ताकि आम आदमी भी गजल से जुड़ सके, जैसे निकलो ना बेनकाब जमाना खराब है...। यह बात भी रेखांकित करने लायक है कि पंकज उधास केवल मंच तक सीमित नहीं थे, वह जब कभी फिल्मों के लिए गाते थे, एक नया प्रतिमान गढ़ देते थे। वह मुख्यधारा के गायकों को भी एहसास कराते थे कि गीतों में कैसे प्यार भरा जाता है। वह ऐसा गा देते थे कि लगता, ऐसे कोई और नहीं गा सकता, जैसे मुझे याद आ रहा है, ना कजरे की धार, न मोतियों के हार या फिर जिएं तो जिएं कैसे बिन आपके...।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश की समृद्धि का एक और संकेत

अरुण कुमार, वरिष्ठ अर्थशास्त्री

भारतीय परिवारों के मासिक खर्च का औसतन लेखा-जोखा बताने वाले पारिवारिक उपभोग व्यय सर्वेक्षण: 2022-23 के आंकड़े समृद्ध होते भारत के संकेत देते हैं। राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षण कार्यालय, यानी एनएसएसओ द्वारा जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि महंगाई से तुलनात्मक अध्ययन न किए जाने के बावजूद, यानी 'रियल टर्म' में भी पिछले दस वर्षों में भारतीय परिवारों की दशा सुधरी है। 2011-12 में शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति उपभोग खर्च औसतन 2,630 रुपये मासिक था, जो बढ़कर 3,510 रुपये हो गया है। इसी तरह, ग्रामीण क्षेत्र में इसमें करीब 600 रुपये की वृद्धि हुई है और यह 2011-12 के 1,430 रुपये की तुलना में बढ़कर 2,008 रुपये हो गया है।

यह सर्वे ढाई लाख से अधिक परिवारों पर किया गया था, जिनमें से करीब डेढ़ लाख घर ग्रामीण इलाकों के थे, जबकि एक लाख से अधिक शहरी भारत के। इसमें एक अच्छी बात यह भी पता चली हैकि खाद्य पदार्थों पर हमारा खर्च पहले की तुलना में कम हुआ है, और हम कपड़े, टीवी, मनोरंजन आदि मदों पर ज्यादा खर्च करने लगे हैं। यह रिपोर्ट कहती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खाने-पीने की चीजों पर हमारा प्रति व्यक्ति उपभोग खर्च औसतन 46 प्रतिशत मासिक है, जबकि शहरों में 39 प्रतिशत। शायद यही वजह है कि देश में गरीबी के घटने की मुनादी भी की जा रही है। हालांकि, गरीबी की हकीकत जाननेके लिए हमें कुछ अन्य आंकड़ों की भी दरकार है।

एनएसएसओ की इस रिपोर्ट में मोटा-मोटा अनुमान लगाया गया है। गरीबी की पूरी तस्वीर जानने के लिए इसे और स्थानीय बनाना होगा, यानी व्यक्तिगत आंकड़े भी पता करने होंगे। तभी जानकारी हो सकेगी कि गरीबी कहां कम हुई है और कहां नहीं। इसी तरह, इसमें घरेलू बजट को प्रतिशत में जरूर बताया गया है, लेकिन हमें यह भी पता करना होगा कि कहीं बढ़ती महंगाई से इसका सीधा संबंध तो नहीं। मुमकिन है कि उत्पादों के दाम बढ़ रहे हों, जिसके कारण उपभोग कम होने के बावजूद खर्च ज्यादा दिख रहा हो। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि यदि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ जाएं, तो हमारा खर्च बेशक बढ़ेगा, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं निकलेगा कि हमारा उपभोग भी बढ़ गया है। यानी, खपत होने वाले उत्पादों की मात्रा के आधार-आंकड़े सामने आने पर गरीबी कम होने का पता चल सकेगा। इसी से जुड़ा है, स्वास्थ्य और आवागमन पर खर्च। हमें नहीं पता कि ये खर्च क्यों बढ़े? क्या इसकी वजह स्वास्थ्य सेवाओं का महंगा होना या कमाने के लिए दूर तक यात्रा करना तो नहीं?

एक और चीज इन सबसे जुड़ी है, वह है, गरीबी की मानक परिभाषा। आज यह तय करना निहायत जरूरी है कि वर्तमान समय में हमें कितना उपभोग करना चाहिए कि हम गरीबी-रेखा से ऊपर चले जाएं। स्थान व समय के हिसाब से यह मानक

बदलता रहता है। मसलन, पहाड़ी इलाकों में जीने की बुनियादी जरूरतें मैदानी इलाकों से अलग होंगी। अमेरिका में तो प्रति व्यक्ति आय हमसे तकरीबन 30 गुना अधिक है, फिर भी अमेरिकी समाज के हिसाब से वहां गरीब हैं, क्योंकि वहां की जरूरत गरीबी को अलग रूप में परिभाषित करती है। इसी कारण, विश्व बैंक की गरीबी-रेखा की परिभाषा बदलती रहती है। पिछले साल उसने रोजाना 1.9 डॉलर से अधिक कमाने वाले को गरीबी के दायरे से बाहर रखा था, इस साल उसने आमदनी की इस सीमा को बढ़ाकर 2.15 डॉलर रोजाना कर दिया है। हम भी साल 1962 या 1993 की परिभाषा के अनुसार आज की गरीबी तय नहीं कर सकते।

आज बेशक किसी रिक्शा वाले के हाथ में मोबाइल दिख जाता हो, लेकिन उसको गरीब न मानना मुश्किल है। लिहाजा, भारतीय परिस्थितियों के संदर्भ में गरीबी की आदर्श परिभाषा यह होनी चाहिए कि जिस व्यक्ति का खान-पान, वेश-भूषा आदि अच्छा हो, जिसके पास घर हो और अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं तक जिसकी पहुंच हो, वह गरीब नहीं है। इसके अलावा, हमें उपभोग की असमानता दूर करने के बजाय आय असमानता घटाने पर जोर देना चाहिए, क्योंकि उपभोग की तुलना में आय में गैर-बराबरी ज्यादा होती है। समृद्धि का भी यही हाल है, क्योंकि बचत वही करते हैं, जिनकी आमदनी अधिक होती है। लिहाजा, उपभोग के आंकड़ों से ही यह सब तय नहीं हो सकता, क्योंकि बुनियादी चीजों की खपत अमीर और गरीब, सभी करीब-करीब बराबर मात्रा में करते हैं।

सवाल है, आगे की हमारी रूपरेखा क्या होनी चाहिए? हमें अब कैसे कदम उठाने चाहिए, ताकि समृद्ध होते भारत की राह और आसान हो सके? इसके लिए सबसे पहले बेरोजगारी दर को कम करने का प्रयास होना चाहिए। किसी एक व्यक्ति को रोजगार न मिल पाने का नुकसान उसके पूरे परिवार को उठाना पड़ता है। अगर हर हाथ को काम मिलने लगेगा, तो परिवार की आमदनी बढ़ेगी, जिससे उपभोग में भी तेजी आएगी। हमें विशेषकर शिक्षित नौजवानों को काम देना चाहिए। इसमें भी महिलाओं को रोजगार देना बहुत जरूरी है, क्योंकि उनके हाथों में पैसे आने से घर तुलनात्मक रूप से अधिक समृद्ध बनता है।

जरूरी यह भी है कि सूक्ष्म व लघु उद्योग क्षेत्र की दिक्कतों को जल्द दूर किया जाए। इन क्षेत्रों में रोजगार-सृजन की संभावना अधिक होने के कारण यहां ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। इसी तरह, खेती-किसानी से बाहर निकलने वाले खेतिहर मजदूरों का भी हमें ध्यान रखना होगा। इसके लिए ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं का बजट बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि उनको अपने घर के आस-पास काम मिल सके।

हमारी नीतियां अधिकाधिक रोजगार पैदा करने के लिए बननी चाहिए। आम बजट में उन मदों पर खर्च अधिक किया जाना चाहिए, जिनसे कामगारों को लाभ मिलता है। पूंजीगत बाजार पर बेशक ध्यान देना चाहिए, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे खर्च भी हमें बढ़ाने चाहिए। इसमें संतुलन इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है और इससे रोजगार प्रभावित होने का अंदेशा जताया जा रहा है। हमें शोध एवं अनुसंधान पर भी अधिक संजीदा होना चाहिए, ताकि हमारा श्रमिक-बल नई प्रौद्योगिकियों के साथ बेहतर कदमताल कर सके। कुल मिलाकर, समग्र प्रयास आवश्यक है, तभी देश से गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य भी हम जल्द पा सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

राजिम कुंभ में बच्चों का करवा रहे मुंडन संस्कार

राजिम। राजिम छत्तीसगढ़ में महानदी के संगम तट पर स्थित सुप्रसिद्ध तीर्थ है। इसे छत्तीसगढ़ का प्रयाग भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि सृष्टि के आरंभ में भगवान विष्णु के नाभि से निकला कमल यहीं पर स्थित था और ब्रम्हा जी ने यहीं से सृष्टि की रचना की इसलिए इसका नाम कमल क्षेत्र पड़ा। धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा का केंद्र होने के कारण यहां अस्थि विसर्जन, पिण्ड दान, श्राद्ध एवं तर्पण, मुंडन संस्कार के कार्य भी किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ के इस प्रयाग नगरी राजिम में इन दिनों राजिम कुंभ कल्प मेला का आयोजन हो रहा है, जिसमें पूरे प्रदेश के अलावा देश एवं विदेशों से भी लोग पहुंच रहे हैं। मेला में पहुंचने वाले कई श्रद्धालु अपने बच्चों का मुंडन भी कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में बच्चों का तीर्थ स्थानों पर मुंडन संस्कार कराने का धार्मिक विधान है। मंदिर के पास बैठे भरत सेन, कृष्णा सेन और मुन्ना सेन ने बताया कि जब से राजिम में कुंभ मेला शुरू हुआ है तब से प्रतिदिन दर्जन भर से ज्यादा श्रद्धालु यहां आकर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार करवा रहें है। उन्होंने आगे बताया कि इन दिनों मुंडन संस्कार कराने वालो की संख्या कम होती है लेकिन माघी पुन्नी और शिवरात्रि सहित अन्य विशेष पर्व स्नान के दौरान यह संख्या काफी अधिक बढ़ जाती है। कभी-कभी तो ऐसी नौबत आ जाती है कि हमें अपने सहयोग के लिए अन्य सहयोगियों को बुलाना पड़ता है।

महतारी वंदन योजना अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को लाभान्वित करने की जरूरत - कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि महतारी वंदन योजना शासन की महत्वकांक्षी योजना है। जिले में 2 लाख 58 हजार 46 महिलाओं ने आवेदन किया है। सभी आवेदनों की समय दावा आपत्ति की प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए इस योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को लाभान्वित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, सभी विभाग अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के भौतिक प्रगति की जानकारी तथा विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत योजनाओं की सेचुरेशन के लिए किए गए कार्यों की जानकारी प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में स्वास्थ्य, स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के संबंध में चर्चा होनी चाहिए तथा इससे संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अनुशासन बनाए रखते हुए समय पर कार्यालय पहुंचेंगे। यह भी सुनिश्चित करें की दूरस्थ क्षेत्रों के शासकीय कार्यालय समय पर खुल जायें। सोमवार को सामान्यत: कोई भी अधिकारी-कर्मचारी अवकाश नहीं लेगें तथा जनसामान्य की समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। जनसामान्य दूरस्थ क्षेत्रों से यहां उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, सभी कार्यालय में रहना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एलडब्ल्यूई के अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुल-पुलिया, सड़क निर्माण, अधोसंरचना, आजीविका तथा जनसामान्य के जीवन स्तर के उन्नयन के लिए कार्य करना हैं, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत है। कलेक्टर ने कहा कि मिनी माता महतारी जतन योजना तथा भगिनी प्रसूति योजना के तहत जिले के असंगठित एवं निर्माणी के लगभग 10 हजार 300 श्रमिकों को 20 करोड़ 74 लाख 20 हजार रूपए की राशि प्रदान की गई है।

जिला स्रोत व्यक्ति नवीन पद्धतियों से हुए रूबरू

साक्षरता के लिए अक्षरों की आकृतियों को ध्वनि से जोड़कर अर्थपूर्ण सामग्री तैयार कर समझ बढ़ा सकते है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के दूसरे दिन के सत्र का शुभारंभ करते हुए एनसीईआरटी की प्रोफेसर उषा शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों कहा कि शिक्षार्थियों को सीखने के लिए अक्षरों की आकृतियों को ध्वनि से जोड़कर अर्थपूर्ण सामग्री बनाकर उनके अंदर समझ बना सकते हैं, साथ ही बुनियादी संख्या ज्ञान, आंकड़ों का गणितीय ज्ञान जिसके तहत बच्चों व बड़ों के पेडोगोजी में अंतर को ध्यान में रखते हुए शिक्षार्थियों को साक्षर करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों को पढ़ने व लिखने तक पहुंचने के लिए सुनना व बोलना बहुत जरूरी होता है।

उल्लास कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए जिला अधिकारियों एवं स्रोत व्यक्तियों के तीन दिवसीय राज्य स्तरीय उल्लास प्रशिक्षण, राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एससीईआरटी) में किया जा रहा है। यहां जिला अधिकारी व स्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रोफेसर उषा शर्मा ने कहा कि उल्लास कार्यक्रम में अंक एवं गणितीय ज्ञान पर ज्यादा फोकस किया गया है। इसमें पोस्टर दिखाकर शिक्षार्थियों को मात्रा एवं बिना मात्रा वाले शब्दों की पहचान कराना है। उन्होंने अंक गणितीय ज्ञान को बहुत ही सरल तरीके से छोटे छोटे अंकों का ज्ञान कराने के लिए अनेक उदाहरण देकर शिक्षार्थियों को सिखाने की प्रक्रिया से रूबरू कराया। प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि यूजीसी ने इसके लिए चार बिंदु तय किये हैं, जिसके तहत यूजीसी ने यूनिवर्सिटी में कालेज के लिए चार छात्र तथा शिक्षक शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए 2 कैडेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि हम जैसा समाज चाहते हैं, हमें वैसा काम करना है।

द्वितीय सत्र के दौरान कंसल्टेंट सीएनसीएल, एनसीईआरटी श्री अमन गुप्ता ने बताया कि एनईपी के तहत क्या आइडिया है इसके पांच घटक बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल विकास, बुनियादी शिक्षा व सतत शिक्षा को विस्तृत किया गया। एनसीईआरटी की सुश्री भावना खेरा द्वारा उल्लास के पीपीटी के बारे में और सीखने के प्रतिफल एवं शिक्षण प्रक्रिया के साथ प्रवेशिका निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को पांच समूह बनाकर कुछ अक्षर देकर उस पर अनेक शब्द बनाकर प्रस्तुतिकरण कराया गया। इसका अवलोकन एससीईआरटी डायरेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा द्वारा किया गया। सत्र के अंत में असिस्टेंट डायरेक्टर प्रशांत कुमार पाण्डेय ने अनेक मुद्दों पर चर्चा करते हुए जानकारी दी। ज्ञात हो कि नई शिक्षा नीति 2020 में शामिल एजुकेशन फ़ॉर आल सबके लिए शिक्षा के तहत असाक्षरों को साक्षर करने उल्लास- नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की शुरुवात एससीईआरटी रायपुर छत्तीसगढ़ में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम में राज्य भर के समस्त जिलों के जिला अधिकारियों एवं स्त्रोत व्यक्तियों को शामिल कर साक्षरता से संबंधित प्राइमर की अनेक बारीकियों की जानकारी दी जा रही है। द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण में जूनियर प्रोजेक्ट फेलो सीएनसीएल, एनसीईआरटी भावना खेरा, इंचार्ज एससीएल एससीईआरटी डी.पी. वर्मा भी उपस्थित थे।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों का तबादला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का स्थानांतरण आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार 19 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। आदेश में डिप्टी कलेक्टर,संयुक्त कलेक्टर सहित मंत्रालय में अवर सचिव का तबादला किया गया है। उक्त आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है।

जारी आदेश के अनुसार श्रीमती यामिनी पांडेय गुप्ता सहायक महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड रायपुर को रजिस्ट्रार भूसंपदा नियामक प्राधिकरण रायपुर, पुलक भट्टाचार्य अवर सचिव मंत्रालय को अपर सचिव संचालनालय नगरीय प्रशासन व विकास विभाग इंद्रावती भवन नया रायपुर, डॉ. ऋतु वर्मा उप सचिव छग नवाचार आयोग रायपुर को मंत्रालय कुमार अनुप्रिया मिश्रा रजिस्ट्रार भू संपदा नियामक प्राधिकरण रायपुर को अवर सचिव छग राज्य निर्वाचन आयोग नवा रायपुर हेमंत कुमार मत्स्यपाल सहायक संचालक संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण को सहायक महाप्रबंधक छग राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड रायपुर, प्रदीप कुमार साहू अपर कलेक्टर कोरबा को अपर कलेक्टर जशपुर, नरेंद्र पैकरा संयुक्त कलेक्टर सूरजपुर को संयुक्त कलेक्टर कबीरधाम, ऋषिकेश तिवारी संयुक्त कलेक्टर धमतरी को संयुक्त कलेक्टर बस्तर, श्रीमती निशा नेताम मंडावी संयुक्त कलेक्टर जांजगीर चांपा को संयुक्त कलेक्टर बलौदाबाजार भाटापारा, दुलीचंद बंजारे संयुक्त कलेक्टर सुकमा को संयुक्त कलेक्टर गरियाबंद, युगलकिशोर उर्वशा संयुक्त कलेक्टर बेमेतरा को संयुक्त कलेक्टर बिलासपुर, मनीष साहू संयुक्त कलेक्टर उब कांकेर को संयुक्त कलेक्टर बिलासपुर, प्रवीण तिवारी डिप्टी कलेक्टर मुंगेली को डिप्टी कलेक्टर रायगढ़, घनश्याम सिंह तंवर भूअर्जन अधिकारी जल संसाधन विभाग बिलासपुर को डिप्टी कलेक्टर बेमेतरा, श्रीमती तरूणा साहू उपमहाप्रबंधक छग पर्यटन मंडल रायपुर को डिप्टी कलेक्टर बालोद, तुलसीदास मरकाम डिप्टी कलेक्टर जशपुर को डिप्टी कलेक्टर गरियाबंद, हर्षलता वर्मा डिप्टी कलेक्टर उब कांकेर को डिप्टी कलेक्टर कबीरधाम, गगन शर्मा डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ को डिप्टी कलेक्टर बस्तर तथा रमेश कुमार मौर डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ को डिप्टी कलेक्टर खैरागढ़ छुईखदान गंडई में पदस्थ किया गया है।

मुख्य न्यायाधिपति ने किया बिलासपुर जिला न्यायालय परिसर में स्थापित नवीन उपडाक घर का वर्चुअल शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला न्यायालय परिसर बिलासपुर में सृजित नवीन उप डाक घर का वर्चुअल शुभारंभ न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के द्वारा न्यायमूर्ति संजय एस. अग्रवाल की वर्चुअल उपस्थिति में किया गया।

जिला न्यायालय परिसर बिलासपुर में नवीन उपडाक घर के वर्चुअल शुभारंभ के दौरान न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि नवीन उपडाक घर स्थापित होने से न्यायिक प्रकिया के संचालन में तीव्रता आयेगी साथ ही अधिवक्ता एवं पक्षकारों को भी इस सुविधा का लाभ होगा। डाकघर न्यायालयीन प्रकिया का अभिन्न अंग है, जिसके माध्यम से समंस और नोटिस भेजे जाने की प्रक्रिया में सुविधा होती है, इसलिए राज्य के प्रत्येक जिला न्यायालय में उपडाक घर खोले जाने के संबंध में विचार किया जा रहा है, जिससे राज्य के समस्त जिला न्यायालयों में व्यवसायरत् अधिवक्तागण एवं आने वाले पक्षकारों को लाभ प्राप्त होगा तथा न्यायालयीन प्रकिया के संचालन में भी गति आयेगी।

शुभारंभ कार्यक्रम में स्वागत उदबोधन के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री रमाशंकर प्रसाद ने कहा कि नवनिर्मित डाक घर की सबसे महत्वपूर्ण उपयोगिता यह है कि पहले पक्षकारों एवं अधिवक्तागण को समंस एवं नोटिस की तामिली के लिए दूर स्थित मुख्य डाक घर या अन्य डाक घर जाना पड़ता था जिससे उन्हें असुविधा होती थी साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी इसका असर दिखता था।

परंतु जिला न्यायालय परिसर में नवनिर्मित डाक घर के माध्यम से अधिवक्तागण एवं पक्षकार न्यायालय परिसर से ही सिविल और क्रिमीनल मामलों के समंस और नोटिस भेज सकेंगे। इसके अतिरिक्त नवीन उपडाक घर स्थापित होने से पंजीकृत डाक एवं कार्यालय से संबंधित पार्सल तथा मेमो भेजने में भी काफी सहूलियत होगी। अधिवक्तागण की भी काफी लंबे समय से यह मांग थी कि उपडाक घर न्यायालय परिसर में लाया जाए। यह मांग अब पूरी हो चुकी है। जिला न्यायालय परिसर में उप डाक घर की स्थापना से न्यायिक प्रक्रिया के सुगम एवं तीव्र होने की आशा है।

वर्चुअल शुभारंभ कार्यक्रम में मंच संचालन एश्वर्या दीवान, व्यवहार न्यायाधीश, वर्ग दो बिलासपुर द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन प्रशांत कुमार शिवहरे, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर द्वारा किया गया। शुभारंभ कार्यकम के दौरान जिला न्यायालय परिसर में स्थापित नव निर्मित डाक घर के प्रागंण में जिला न्यायालय बिलासपुर में पदस्थ समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बाजपेयी एवं विनय कुमार प्रसाद, अधीक्षक मुख्य डाक घर, बिलासपुर उपस्थित थे।

67 लाख 92 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य जारी है। 27 फरवरी की स्थिति में 67 लाख 92 हजार 849 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। छुटे हुए राशनकार्डधारी हितग्राहियों का नवीनीकरण का कार्य के लिए तारीख 15 मार्च 2024 तक बढ़ा दी गई है ताकि कोई पात्र हितग्राही नवीनीकरण कार्य वंचित न होने पाए। खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का अन्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं निशक्तजन एपीएल राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जा रहा है। राशनकार्डधारियों के लिए खाद्य विभाग द्वारा एप तैयार किया गया है। एप के माध्यम से हितग्राही ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

ऐसे हितग्राही जिनके पास एंड्राएड मोबाईल की सुविधा नहीं है या नेटवर्क की समस्या है तो वे हितग्राही उचित मूल्य की दुकान में भी जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 15 मार्च 2024 तक किया जाएगा। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है।

सरस मेला सजा आकर्षक एवं मनमोहन प्रदर्शनी से

पैरा आर्ट, कोसा साड़ी, झारा शिल्प, गोल्डन ग्रास जूट उत्पादन, देशी गुड़ एवं हैंडलूम जैसे अनेक वैराइटीज से सजी प्रदर्शनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित सरस मेले में तरह-तरह के रंग-बिरंगे, आकर्षक, मनमोहक, कलाकृतियों के साथ विभिन्न सामग्रियों की स्व-सहायता समूह द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। कलेक्टर जनमेजय महोबे और जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल ने स्टॉल का भ्रमण कर समूह की दीदीयो से चर्चा की। इस दौरान उनके उत्पादों के विषय में जानकारी प्राप्त कर व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए सुझाव दिए।

जशपुर की महिला स्व-सहायता समूह द्वारा बास से निर्मित टोकनिया एवं डब्बे सभी साइज में उपलब्ध है। बेमेतरा जिले के समूह द्वारा केले के पेड़ के रेशे से बने बैग, जैकेट, चटाई आदि रखी गई है। जांजगीर चांपा से कोसा सिल्क की बनी साड़ियां एवं अन्य वस्त्र, रायगढ़ के समूह द्वारा झारा शिल्प रखी गई है। वनांचल क्षेत्र से आए समूह द्वारा केमिकल रहित देशी गुड़, दंतेवाड़ा से आए समूह द्वारा कोदो-कुटकी, हल्दी, मिर्ची एवं अन्य मसाले अपने स्टाल में रखे गए हैं। उड़ीसा के समूह द्वारा अगरबत्ती जूट उत्पादन एवं गोल्डन ग्लास रखा गया है। सागर मध्य प्रदेश के समूह द्वारा आंवला से बने विभिन्न उत्पादन रखे गए हैं। उत्तराखंड का हैंडलूम एवं राजस्थान गाजियाबाद के कपड़े, पैरा आर्ट सहित अनेक उत्पाद प्रदर्शनी सह विक्रय के लिए रखे गए रखे गए हैं।

सरस मेले में ही क्राफ्ट मेला रखा गया है, जिसमे हैंडलूम के कपड़ो की वैरायटी है। अचार, चूड़ियां, बैग, कालीन, टोपी, चादर जैसे अनेक सामग्रियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। फूड स्टॉल के द्वारा मेले में आए लोगों को गरमा-गरम स्वादिष्ट स्वल्पाहार मिल रहा है। विशेष कर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की मांग ज्यादा रही। फूड स्टाल में दुर्ग से आई महिला समूह के सदस्य ने बताया कि उनके स्टाल में अतिथियों के मांग अनुसार बहुत से व्यंजन उपलब्ध है और व्यवसाय भी बहुत अच्छा हो रहा है। मथुरा चाट भंडार भी लोगो की पसंद बनी हुई है।

बच्चों युवाओं के लिए मीना बाजार सजा हुआ है, जिसमें अनेक प्रकार के झूले एवं खेलकूद के साधन रखे गए हैं। इन आकर्षणों के साथ स्वदेशी बाजार के स्लॉट में लोगों के लिए अनेक उत्पादों को रखा गया है। उल्लेखनीय है कि जिले में 26 फरवरी से 6 मार्च तक 10 दिवसीय सरस मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ से एवं अन्य राज्यों से स्वयं सहायता समूह अपने उत्पादों की प्रदर्शनी सह विक्रय स्टाल लगाए गए हैं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राजिम कुंभ मेला में हजारों लोगों को मिल रहा निःशुल्क भोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 7 जनवरी 2024 को राजिम भक्तिन माता जयंती के अवसर पर कहा था कि राजिम कुंभ की भव्यता पुन: लौटेगी। देश भर से साधु संत इसमें शामिल होने आएंगे। मुख्यमंत्री साय की विशेष पहल से राजिम कुंभ की वैभवता पुन: लौट आई है। संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल की निर्देशन में राजिम कुंभ कल्प-2024 इस बार भगवान श्रीराम को समर्पित करते हुए पूरे कुंभ की संरचना श्रीराम की थीम पर आधारित किया गया है। कुंभ मेला परिसर में जगह-जगह भगवान श्रीराम और उनके आराध्य भगवान सदाशिव की प्रतिमाएं रंगोली और कट-आउट जगह-जगह नजर आने से पूरा राजिम राममय नजर आ रहा है। यहां पर आने वाले स्थानीय लोक मंच के कलाकार सहित राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की गायिकी में भी राम रस बरसता हुआ नजर आ रहा है। भगवान श्री राजीव लोचन जो स्वयं भगवान विष्णु के अवतार है, तो प्रभु श्री राम भी विष्णु के अवतार है और यहां पर श्रीराम की थीम पर आयोजित कुंभ में जगह-जगह विराजे राम को देखकर ऐसा लगता है मानो छत्तीसगढ़ की इस पावन धरा में स्थित लोमश ऋषि आश्रम में पुन: राम पधारे हो और संगम के तट पर राम का राम से मिलन हो रहा है। इस अनुपम छटा का साक्षात्कार जब शाम को लेजर लाइट और साउंड के माध्यम से होता है तब उपस्थित जन समुदाय भक्ति के उस रोमांच से भाव विभूत हो जाता है जिसका वर्णन करना जन-साधारण के लिए असंभव है, इस रोमांच को सिर्फ महसूस किया जा सकता है।राजिम कुंभ मेला स्थल में प्रभु श्री राम के जीवन चरित्र और उनके छत्तीसगढ़ वनवास अवधि पर आधारित जीवंत झांकी का प्रदर्शन किया जा रहा है। जोकि मेला में पहुंचने वाले समस्त श्रद्धालुओं को अपनी ओर सहर्ष आकर्षित कर रहा है। लोग धार्मिक सद्भाव और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शो को अनुभव कर झांकी आनंद उठा रहे हैं।

हमारे पूर्वजों ने हमे गौरवशाली विरासत दी हैः राज्यपाल हरिचंदन

■ **राजभवन में मनाया गया मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश का स्थापना दिवस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के मुख्य आतिथ्य में मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश का स्थापना दिवस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने इस अवसर पर कहा कि हमारे पूर्वजों के अथक मेहनत और दृढ़ संकल्प ने हमे गौरवशाली विरासत दी है जिस पर हमे गर्व करना चाहिए।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में राजभवन में मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर इन राज्यों के लोगों को बधाई दी।

राज्यपाल हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रहने वाले विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देना है। ऐसे कार्यक्रम विभिन्न राज्यों के लोगों को अपनी भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और प्रथाओं को साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि हिमालय की ऊंची चोटियों से लेकर मिजोरम की शांत घाटी तक, दोनों राज्यों में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध भाषाएं और जटिल परंपराएं हैं। अरुणाचल प्रदेश अपनी प्राचीन संस्कृति के लिए जाना जाता है। इस राज्य का उल्लेख भारत के प्रमुख धार्मिक ग्रंथों जैसे कालिका पुराण और महाभारत में किया गया है। ऋषि परशुराम ने यहीं पर अपने पापों का प्रायश्चित किया था, ऋषि व्यास ने इस क्षेत्र के जंगलों में तपस्या की थी और भगवान श्री कृष्ण ने भारत के इस पौराणिक स्थल पर रुक्मिणी से विवाह किया था। तिब्बत भूटान और म्यांमर देशों की सीमाओं को छूती हुई इस प्रदेश की संस्कृति अद्वितीय है।

राज्यपाल ने कहा कि जब वे मिजोरम राज्य के बारे में सोचते है, तो उन्हें पहाड़ी इलाके, घुमावदार नदियां, वनस्पतियां, अंतहीन विविध परिदृश्य और समृद्ध जीव-जंतुओं की कल्पना होती है। मिजोरम की जीवंत संस्कृति, अद्भुत कलाएँ और लोक कलाएँ इसकी समृद्ध विरासत का प्रतीक हैं। यह प्रदेश शिक्षा दर में देश में तीसरा स्थान रखता है। मिजो जनजाति की पारंपरिक रूप से पोषित मान्यताएं, विभिन्न सामाजिक-धार्मिक प्रथाएं उन्हें एक विशिष्ट पहचान देती हैं।

उन्होंने कहा कि तेजी से आधुनिक होती दुनिया में, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी परंपराओं को संजोएं और सतत विकास के लिए प्रयास करें और इन राज्यों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

कार्यक्रम को मिजोरम राज्य की प्रतिनिधि डॉ. प्रीति मिश्रा और अरूणाचल प्रदेश की प्रतिनिधि सुश्री हेगे बी. यासीन ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने-अपने राज्यों की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी और लोगों से आग्रह किया कि पर्यटन की दृष्टि से इन राज्यों में अवश्य भ्रमण करें।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कम्भापति और अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल केटी परनाइक ने वीडियो संदेश के माध्यम से राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर इन राज्यों से संबंधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश के लोक नृत्यों एवं जनजातीय संस्कृति से ओत-प्रोत नृत्यों का प्रदर्शन विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने किया। इन राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने भी राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट किये।

कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव, संबंधित राज्यों के प्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के प्रशिक्षण में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव सवेरे लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के प्रशिक्षण में शामिल हुए। रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों और उप अभियंताओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। विभागीय अभियंताओं को रोड सेफ्टी ऑडिट और सड़क सुरक्षा से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सड़कें गुणवत्तापूर्ण होने के साथ ही सुरक्षित भी होने चाहिए। सड़कों के निर्माण के दौरान सुरक्षा संबंधी सभी उपायों और प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभाग के अभियंताओं के लिए यह प्रशिक्षण काफी उपयोगी होगा और वे रोड सेफ्टी ऑडिट तथा सड़क सुरक्षा की बारीकियों एवं व्यावहारिक व्यवस्थाओं को और ज्यादा बेहतर तरीके से जान-समझ पाएंगे। प्रमुख अभियंता केके पिपरी और वरिष्ठ विभागीय अधिकारी भी प्रशिक्षण के शुभारंभ सत्र में मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि देश में बढ़ती दुर्घटनाओं और उनमें मरने वालों की अत्यधिक संख्या को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने रोड कमेटी ऑन रोड सेफ्टी का गठन किया है। सड़क दुर्घटनाओं के अन्य कारणों के साथ सड़क निर्माण में होने वाली त्रुटियां भी महत्वपूर्ण कारण हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़कों के निर्माण व संधारण के लिए जिम्मेदार एजेंसियों को उचित प्रशिक्षण के निर्देश दिए हैं। इसके परिपालन में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों एवं उप अभियंताओं के लिए सीआरआरआई, नई दिल्ली के माध्यम से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। विभाग के 55 सहायक अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों और 95 उप अभियंताओं को इसमें प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षु अभियंताओं को फील्ड विजिट भी कराया जाएगा।

राज्यभाषा आयोग का तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्यभाषा आयोग द्वारा मंत्रालय महानदी भवन में तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 से 28 फरवरी तक आयोजित किया गया है।

प्रशिक्षण के पहले दिन लगभग 130 मंत्रालयीन कर्मचारी ने प्रशिक्षण का लाभ लिया। जिसमें छत्तीसगढ़ के जाने माने साहित्यविद और लेखक डॉक्टर चितरंजन कर ने अपना व्याख्यान दिया और छत्तीसगढ़ी राजभाषा के प्रशासनिक उपयोग के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन लोक व्यवहार और प्रशासनिक कार्यों में छत्तीसगढ़ी के उपयोग और शब्दावलियों का प्रशिक्षण दिया गया। आज के प्रशिक्षक जाने माने शिक्षाविद डॉक्टर सुधीर शर्मा रहे। प्रशिक्षण के अंतिम दिन अनुभाग अधिकारी और अवर सचिव स्तर के अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह राजपूत का सहयोग प्रदान कर रहे है।

सिरपुर महोत्सव का भव्य समापन महोत्सव में उमड़ा जन सैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धार्मिक, पुरातात्विक और ऐतिहासिक नगरी सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का सोमवार शाम भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद चुन्नी लाल साहू बतौर मुख्य अतिथि समारोह में शामिल हुए। इसके पूर्व वे चित्रोत्पला गंगा आरती में शामिल हुए। सिरपुर महोत्सव में तीनों दिन जन सैलाब उमड़ पड़ा। स्थानीय कलाकार सहित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों से सुसज्जित सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने सिरपुर के अलावा आस-पास एवं प्रदेश भर के श्रद्धालु और आगंतुक बड़ी संख्या में पहुंचे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिदिन विशाल जन समूह ने कार्यक्रमों का तन्मयता से आनंद लिया। प्रमुख कार्यक्रम में इंडियन आइडल विजेता अभिजीत सावंत, मुम्बई के कलाकारों द्वारा गीता सार की प्रस्तुति, छत्तीसगढ़ी छॉलीवुड कलाकार सुनील सोनी, भूपेन्द्र साहू एवं आरू साहू की छत्तीसगढ़ की माटी से जुड़े लोक परम्परा पर आधारित सांस्कृति प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

वर्ष 2006 से सिरपुर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष पहली बार चित्रोत्पला गंगा आरती के लिए आकर्षक मंच बनाया गया एवं स्थानीय पुजारियों से गंगा आरती करायी गई, जिससे लोगों का जुड़ाव बढ़ा। साथ ही श्रद्धालुओं के स्नान के लिए कुंड का निर्माण भी किया गया।

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक और इंडियन आइडल विजेता अभिजीत सावंत के गीतों पर लोग झूमते नजर आए। उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मी गीत गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हुए कहा कि इस आयोजन से वे बेहद उत्साहित हैं। महासमुंद जिले के धार्मिक और पुरातात्विक नगरी में उनका आना सौभाग्य है। वहीं दूसरी कार्यक्रम में अस्त्र भिलाई की टीम ने शानदार इफेक्ट के साथ लाइट एंड साउंड कार्यक्रम की प्रतुति दी। वही अंतिम दिन पद्मश्री सूफी गायक भारती बंधु ने सुमधुर भजन से लोगों के दिल में जगह बनाई। महासमुंद के हरफनमौला कलाकार सुरेंद्र मानिकपुरी ने छत्तीसगढ की संस्कृति और लोकगीत पर आधारित कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

शासकीय विभागों द्वारा विभागीय स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। मुख्य अथिति चुन्नी लाल साहू ने स्टाल का अवलोकन किया और योजनाओ का लाभ पात्र हितग्राहियों को सामग्री और चेक भी वितरित किए दिए। यहां पर्यटन मंडल, कृषि, महिला एवं बाल विकास विभाग, वन विभाग, जनसंपर्क विभाग का स्टाल लगाया गया है। तीनों दिन सिरपुर और अंचल के आसापास तथा राज्य के दूर दराज से ग्रामीण और श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। इस बार सिरपुर महोत्सव की खास तैयारी की गई थी। सिरपुर की गलियों में स्थायी विद्युत व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और आकर्षक भव्य मंच बनाया गया। जिससे दर्शक प्रभावित हुए और लगातार परिवार सहित सिरपुर महोत्सव का आनंद लेने बड़ी संख्या में पहुंचे।

इस अवसर पर इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, रूप कुमारी चौधरी, ज़िला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष राशि महिलांग, सांसद प्रतिनिधि संदीप दीवान, चंद्रहास चंद्राकर, येतराम साहू, सतपाल सिंह पाली, नीलम दीवान, देवेंद्र शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर प्रभात मलिक, वन मंडल अधिकारी पंकज राजपूत, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, अनुविभागीय अधिकारी उमेश साहू, रेखराज शर्मा सहित बड़ी संख्या में दर्शक एवं श्रद्धालु कार्यक्रम में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। श्री साय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि नोबल पुरस्कार प्राप्त भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन के सम्मान में विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिन पूरे देश में विज्ञान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समाज में बिखरी अंधविश्वास की जड़ों को हटाने के लिए परिष्कृत सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना बहुत जरूरी है। हमारे देश ने विज्ञान के क्षेत्र में पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाई है, जिस पर पूरे देश को गर्व है। विज्ञान हमें विश्लेषात्मक सोच के साथ जीवन स्तर में सुधार और तरक्की की ओर ले जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतना गौरवान्वित करने वालाः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री से वर्ल्ड कराटे चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल विजेता सुश्री स्नेहा बंजारे ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य अतिथि गृह पहुना में वर्ल्ड कराटे चैंपियनशिप, दुबई में सिल्वर मेडल विजेता सुश्री स्नेहा बंजारे ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित वर्ल्ड कराटे चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने पर सुश्री बंजारे को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल करना गौरवान्वित करने वाला है। इससे प्रदेश का मान बढ़ा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आपकी सफलता से प्रदेश के बेटियों को भी प्रेरणा मिलेगी और कराटे के खेल में लड़कियां आगे आएंगी। बेटियों ने सदैव मिथकों को तोड़ने का काम भी किया है। हर क्षेत्र में बेटियों ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। उन्होंने खिलाड़ी सुश्री बंजारे से प्रतियोगिता के बारे में जानकारी ली। साथ ही प्रतियोगिता में जीते हुए मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

गौरतलब है कि यूएई में आयोजित विश्व कराटे चैंपियनशिप में कोरबा जिले की स्नेहा बंजारे ने सीनियर वर्ग के 68 किलो ग्राम वर्ग में रजत पदक जीता है। प्रतियोगिता में विश्व के 84 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। भारत से 49 खिलाड़ियों का चयन हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ से एक मात्र खिलाड़ी के रूप में स्नेहा का चयन हुआ था। स्नेहा अपने वर्ग में 11 देशों के प्रतिभागियों को हराकर फाइनल में पहुंची थीं। फाइनल में उनका मुकाबला मिस्त्र के खिलाड़ी से हुआ और उन्होंने रजत पदक हासिल किया। स्नेहा वर्तमान में गुरुघासीदास विश्वविद्यालय में एमपीएड फाइनल ईयर की छात्रा है। बतौर खिलाड़ी स्नेहा ने अनेकों पदक जीते हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

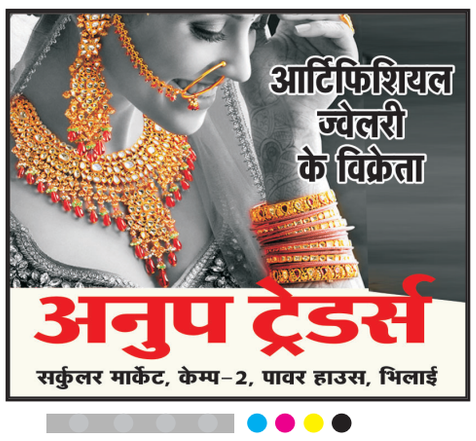

लगातार हो रहे पैरों के दर्द को न करें नजरअंदाज जानें दिल की बीमारी से क्या है कनेक्शन?

पैरों में हो रहे लगातार दर्द को नजरअंदाज करने की भूल कभी भी न करें, क्योंकि ये दिल की बीमारी के संकेत हो सकते हैं। इसे लेकर जरा सी भी लापरवाही हार्ट पर बुरा प्रभाव डाल सकता है और हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ सकता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कई बार हार्ट डिजीज के शुरुआती लक्षण पैरों में नजर आते हैं लेकिन लोग उन पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। इनमें पैरों में दर्द, सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं हार्ट और पैरों के बीच क्या कनेक्शन है।

- हार्ट डिजीज के लक्षण
- कंधों और पीठ में दर्द
- ज्यादा थकान होना
- पेट की परेशानी, खट्टी डकार आना
- सांस लेने में दिक्कत, बाहों में लगातार दर्द
- उल्टी और चक्कर आना
- बहुत ज्यादा पसीना निकलना

हार्ट और पैर के बीच क्या कनेक्शन है

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हार्ट और पैरों के बीच गहरा कनेक्शन होता है। हार्ट से जुड़ी समस्याएं पैरों के साथ ओवरऑल हेल्थ पर असर डाल सकता है। हार्ट की पंपिंग, पीएडी धमनी जैसी बीमारी से ये प्रभावित हो सकती हैं। इससे पैरों में ब्लड सर्कुलेशन कम हो सकता है और सूजन आ सकती है। जब पैरों को पंप किए गए ब्लड से ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

पैरों के दर्द को न करें इग्नोर

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, पैरों में दर्द और सूजन के कई कारण हो सकते हैं। उनमें हार्ट प्रॉब्लम भी शामिल है। इसलिए कभी भी पैरों में दर्द को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। कोरोनरी आर्टरी डिजीज होने पर भी हार्ट डिजीज का खतरा पैदा हो सकता है, जिसका प्रभाव पैरों पर पड़ता है।

पैरों की देखभाल कैसे करें

- पैरों को हेल्दी बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम करें।
- आहार सही बनाएं।
- पैरों की अच्छी तरह देखभाल करें।
- पैरों में दर्द से राहत पाने के लिए हल्के गर्म पानी में सिंकाई करें।
- पैरों में सूजन, दर्द या दूसरी समस्याएं होने पर डॉक्टर को दिखाएं।

ऊनी कपड़े रखते समय जरूर रखें इन बातों का ध्यान, हमेशा दिखेंगे नए जैसे

जैसे ही सर्दियां खत्म होने वाली होती हैं, हम लोग अब अपने गर्म कपड़े, खासकर ऊनी कपड़े, संभाल कर रखने की सोचते हैं। ये ऊनी कपड़े जो सर्दियों में हमें गर्म रखते हैं, उन्हें अब अगले साल तक के लिए अलमारी में जगह देनी होती है। लेकिन, इन्हें बस यूं ही कहीं भी रख देने से पहले, कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। ऊनी कपड़े की देखभाल में थोड़ी सी लापरवाही इन्हें खराब कर सकती है। ऊनी कपड़ों को लम्बे समय तक नए जैसा बनाए रखने के लिए आइए देखें कि इन कपड़ों को सहेजते समय हमें किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

साफ सफाई

जब भी आप ऊनी कपड़े पहनकर उतारें, तो पहले उन्हें अच्छे से झटक कर साफ कर लें ताकि उनमें फंसी धूल और मिट्टी बाहर निकल जाए। ये एक छोटा सा काम लग सकता है, लेकिन इससे आपके कपड़े ज्यादा समय तक अच्छे और साफ रहते हैं। फिर, जब सर्दी का मौसम खत्म हो जाए, तो एक बार सभी ऊनी कपड़ों को ड्राई क्लीन करवा लेना चाहिए। ड्राई क्लीनिंग से न सिर्फ गंदगी और दाग धुल जाते हैं, बल्कि ये कपड़े फिर से नए जैसे चमकने लगते हैं। इस तरह से आपके कपड़े अगले सर्दियों तक सुरक्षित और ताजे रहेंगे।

सही तरीके से तह

अपने ऊनी कपड़ों को सही तरीके से रखने के लिए, उन्हें हमेशा तह करके रखें, हैंगर पर नहीं। तह करने से कपड़ों में खिंचाव नहीं आता और वो अपने असली आकार में बने रहते हैं। इस सिंपल ट्रिक से आपके कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखते रहेंगे।

मोथ बॉल्स का इस्तेमाल

ऊनी कपड़ों को मोथ और अन्य कीड़ों से बचाने के लिए, उनके साथ मोथ बॉल्स रखना बहुत जरूरी है। मोथ बॉल्स कपड़ों को सुरक्षित रखते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि वे साफ और अच्छी स्थिति में बने रहें।

वायुयुक्त बैग्स में रखें

ऊनी कपड़ों को अगर आप वायुरोधी बैग्स में रखते हैं, तो इससे उनमें नमी नहीं आती और वे लंबे समय तक बिल्कुल नए जैसे बने रहते हैं। ये बैग्स आपके कपड़ों को ताजा और साफ सुथरा रखते हैं।

रेड सैटिन ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिखीं अभिनेत्री रुबीना दिलैक

टीवी टाउन में नई मां रुबीना दिलैक ने हाल ही में एक फोटोशूट करवाया है। उन्होंने अपनी यह फोटो अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। छोटी बहू में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर ज्यादातर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। उन्होंने इसमें लाल सैटिन बॉडीसूट पहना हुआ है। उन्होंने इसमें मेकअप लुक को चुना।

रुबीना ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किया है। एक्सेसरीज के लिए उन्होंने हरे लॉकेट के साथ चेन और मैचिंग ईयररिंग्स को चुना। फुटवियर में उन्होंने सिल्वर हील्स पहनी थीं।

रुबीना ने अपने इस फोटोशूट में एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं, जिन्हें देख कोई भी उन पर फिदा हो सकता है।

बता दें कि रुबीना इन दिनों अपनी जुड़वा बेटियों इधा और जीवा के साथ टाइम स्पेंड कर रही हैं। साथ ही वो अपने व्लॉग के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं।

रुबीना बेटियों के जन्म के बाद से ही टीवी से दूर हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपनी लाइफ अपडेट शेयर करती रहती हैं। कमेंट सेक्शन रुबीना के लुक और आउटफिट की सराहना से भरा हुआ था। एक यूजर ने कहा, वाह हॉट रेड।

इससे पहले सोमवार को रुबिना ने गोवा में अपने फैमिली वेकेशन की झलक भी दी थी। हाल ही में जुड़वां बेटियों जीवा और एधा के माता-पिता बने रूबीना और अभिनव इन दिनों गोवा में खूबसूरत जगहों का आनंद ले रहे हैं। रुबीना को पिछली बार झलक दिखला जा-10 में देखा गया था, जबकि अभिनव को खतरों के खिलाड़ी 11 में देखा गया था।

साल 2020 मेरे लिए भी बहुत मुश्किल था, क्योंकि मेरे अकाउंट में सिर्फ 257 रुपये थेः मेधा शंकर

विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म 12वीं फेल थिएटर्स में जबरदस्त हिट साबित हुई है। फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब हुई है। विक्रांत मैसी के स्ट्रगल से लेकर मेधा शंकर का सच्चा सपोर्ट देखकर फैंस काफी खुश हुए हैं। फिल्म की सक्सेस के साथ एक्ट्रेस भी रातों रात फेमस हो गई। हर आर्टिस्ट की अपनी एक बैक स्टोरी होती है। नोएडा की रहने वाली मेधा शंकर बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने काफी संघर्ष भी किया।

मेधा शंकर हाल ही में मीडिया से बातचीत के लिए सामने आई थीं। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह साल 2018 में मुंबई एक कलाकार बनने आई थीं, लेकिन इन सालों में उन्होंने बहुत उतार-चढ़ाव देखा। एक दिन तो वह टूट भी गई थीं, उनके बैंक अकाउंट में सिर्फ 257 रुप लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। मेधा ने कहा, 2020 दुनियाभर में कई वजहों से एक विनाशकारी साल रहा। यह साल मेरे लिए भी बहुत मुश्किल था, क्योंकि मैं पूरी तरह टूट गई थी। मेरे अकाउंट में सिर्फ 257 रुपये थे।

12वीं फेल से पहले भी मेधा कई फिल्मों में काम कर चुकीं थीं। एक्ट्रेस ने इस फिल्म के मिलने के पीछे की कहानी का भी खुलासा किया। एक्ट्रेस ने कहा, 12वीं फेल मिलने में मुझे थोड़ा समय लग गया। मैंने मुंबई में बतौर एक्टर साल 2018 में करियर की शुरुआत की थी। साल 2022 में मैंने एक कास्टिंग एजेंसी में इस फिल्म के लिए पहली बार ऑडिशन दिया था। फिर मैंने विधु विनोद चोपड़ा और पूरी टीम के साथ स्क्रीन टेस्ट किया। विधु सर, विक्रांत और टीम के साथ अपने पहले स्क्रीन टेस्ट के दौरान मुझे दृढ़ विश्वास था कि यह भूमिका मेरे लिए ही है।

27 अक्टूबर को रिलीज हुई 12वीं फेल, अनुराग पाठक के, इसी टाइटल वाले उपन्यास पर बेस्ड है। रियल लाइफ आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस ऑफिसर श्रद्धा जोशी की इस कहानी को लोगों ने नॉवेल के रूप में भी खूब प्यार दिया था। फिल्म की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई है। ऑडियंस ने 12वीं फेल को साल 2023 की बेस्ट फिल्म का टैग दिया है। वहीं, आईएमडीबी पर इस मूवी को 10 में से 9.2 रेटिंग मिली है। इस फिल्म की सक्सेस के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री में विक्रांत मैसी का कद और ऊंचा हो गया है।

यामी गौतम की आर्टिकल 370 की कमाई में गिरावट, विद्युत जामवाल की क्रैक का हाल-बेहाल

इन दिनों सिनेमाघरों में यामी गौतम की बहुप्रतीक्षित फिल्म आर्टिकल 370 लगी हुई है, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक से भिड़ंत के बावजूद यामी की फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। आर्टिकल 370 का शुरुआत से दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। हालांकि, वीकेंड पर बंपर कमाई करने के बाद अब कामकाजी दिनों में फिल्म की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है।

अब आर्टिकल 370 की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने सोमवार को 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 26.15 करोड़ रुपये हो गया है।आर्टिकल 370 ने टिकट खिड़की पर 5.9 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल आया और इसने दूसरे दिन 7.4 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 9.6 करोड़ रुपये कमाए।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जिला पंचायत सीईओ ने जनचौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद। जनचौपाल में कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आये नागरिकों,ग्रामीणजनों की मांग,समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। आज के जनचौपाल में 55 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान नागरिकों ने बारी-बारी से अपनी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। जनचौपाल में ग्राम मड़ेली के थानेश्वर साहू ने सेल्समेन एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर नियुक्ति पर स्टे (रोक) लगाने, ग्राम खरखरा की ओम बाई पटेल ने मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम बनगवा के रुपेश कुमार साहू ने मजदूरी की राशि दिलाने, ग्राम गाड़ाघाट के दुष्यंत साहू ने अपूर्ण सीमांकन को पूर्ण कराने,ग्राम नागाबुड़ा की श्यामबाई ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की लंबित राशि का भुगतान कराने, ग्राम अमलीपदर की गीतादेवी ध्रुव ने वारिसान प्रमाण पत्र प्रदान करने,ग्राम पंचायत कोसमी के सरपंच डमेश्वरी ने देवगुड़ी निर्माण की राशि प्रदाय करने,ग्राम द्वारतरा के नोहर सिंह ने वन अधिकार पट्टा प्रदान करने,ग्राम कारीडोंगरी के भुखम सिंह नागेश ने क्षतिपूर्ति की राशि दिलाने,ग्राम परसट्टी के अमित कुमार साहू ने जमीन का सीमांकन करने एवं हीना साहू ने शौचालय निर्माण की स्वीकृति,ग्राम झिरीपानी,निष्ठीगुड़ा एवं झाखरपारा के किसान संघर्ष संघ ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत वंचित 11 ग्रामों का बीमा राशि प्रदाय करने आवेदन प्रस्तुत किये इस पर जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को पात्रता अनुसार लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

पं. श्यामा चरण शुक्ल को जयन्ती पर दी गई आदरांजलि

रायपुर। आज अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पण्डित श्यामा चरण शुक्ल की जयन्ती पर उन्हें सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जोन क्रमांक 4 के सहयोग से राजधानी शहर के जीईमार्ग पर गौरवपथ फेस - 1 क्षेत्र में गाँधी उद्यान स्वर्ण जयन्ती तिराहा के सामने उनकी प्रतिमा स्थल के समक्ष संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन रखा गया। आयोजन में पहुंचकर अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पण्डित श्यामा चरण शुक्ल को उनकी जयन्ती पर प्रदेश के पूर्व मन्त्री एवं उनके सुपुत्र अमितेष शुक्ल, नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष आकाश तिवारी, एमआईसी सदस्य सुन्दरलाल जोगी, पूर्व पार्षद मनोज कन्दोई सहित नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा स्थल में पहुंचकर अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पण्डित श्यामा चरण शुक्ल को जयन्ती पर आदरांजलि अर्पित की।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने परीक्षा की तैयारी के लिए टोल फ्री नम्बर जारी किया

महासमुंद। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा हाईस्कूल, हायर सेकण्डरी, हायर सेकण्डरी व्यावसायिक परीक्षाओं के संदर्भ में 22 फरवरी 2024 से हेल्पलाईन-2024 प्रारंभ किया गया है। विद्यार्थी, शिक्षक व अभिभावक प्रात: 11:00 से शाम 05:00 बजे तक हेल्पलाईन में मण्डल के टोल फ्री नम्बर 18002334363 पर अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते है। रविवार एवं अवकाश को छोड़कर हेल्पलाईन में मनोचिकित्सक, शैक्षिक अभिप्रेरक, विषय विशेषज्ञ एवं मण्डल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। 28 फरवरी 2024 तक 11:00 बजे से दोपहर 03:30 बजे तक अंग्रेजी, गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, विज्ञान, निराकरण करेंगे तथा मण्डल के अधिकारी मण्डल से संबंधित समस्याओं का समाधान करेंगे।

केसीसी के अपात्र आवेदनों की समीक्षा कर किसानों को करें लाभान्वित-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। किसान क्रेडिट कार्ड के प्राप्त आवेदनों में घरघोड़ा एवं धरमजयगढ़ विकासखंड में अत्यधिक आवेदनों को अपात्र किया गया हैं, आवेदनों को पुनः वेरिफिकेशन कर अधिक से अधिक किसानों को केसीसी से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उक्त बातें कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने समय-सीमा की बैठक में कहीं। कलेक्टर गोयल ने किसान क्रेडिट कार्ड प्रगति की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के लक्ष्य अनुरूप बनाए गए किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी ली।

कलेक्टर गोयल ने कहा कि कई विकासखंड में बेहतर कार्य किए गए हैं, लेकिन कई स्थानों में अपात्र आवेदनों की संख्या अधिक है, इसकी समीक्षा करें कि किस आधार पर आवेदनों को अपात्र किए गए है। उन्होंने आरएईओ के माध्यम से केसीसी बनाने में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गोयल ने आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल की समस्या के मद्देनजर नल-जल योजना अंतर्गत पेयजल आपूर्ति के सभी कार्य में तेजी लाने के निर्देश ईई पीएचई को दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को सभी पंप के विद्युतीकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार टंकी निर्माण हेतु स्थल चयन को अति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा पूर्व के जल स्रोतों में टंकी जोडऩे पर ग्रामीणों की आपत्ति पर सीईओ जनपद को निर्देशित किया कि ईई पीएचई से समन्वय कर निराकरण करें, जिससे आने वाले दिनों में पेयजल की समस्या से निजात मिल सके।

कलेक्टर श्री गोयल ने निर्माण कार्यों की भी समीक्षा करते हुए कहा कि स्वीकृत कार्यों को अतिशीघ्र प्रारंभ करें। सभी निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि कोई भी निर्माण कार्य नहीं रुकना चाहिए एवं निर्माण कार्य को ग्रीष्म ऋतु में पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि पीएम श्री स्कूल के सभी लघु कार्य जल्द पूर्ण करने के साथ ही अतिरिक्त कमरों के निर्माण में तेजी लाए। इस दौरान उन्होंने खाद्य विभाग को ई-केवाईसी में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जल स्रोतों के एंट्री की समीक्षा करते हुए उन्होंने अमृत सरोवर की एंट्री करने तथा डीएफओ रायगढ़ को नरवा स्ट्रक्चरों की एंट्री के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री गोयल ने जिले में चल रहे फाईलेरिया दवा सेवन के बारे में जानकारी ली। विभाग द्वारा बताया गया कि 28 फरवरी तक दवा सेवन कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने वनाधिकार पत्रों की समीक्षा करते हुए आदिवासी विकास विभाग एवं खाद्य विभाग को वन अधिकार पत्र धारक किसानों द्वारा मंडी में बेचे गए धान फसलों की जानकारी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राही मूलक योजनाओं में विशेष पिछड़ी जनजाति एवं सांसद आदर्श ग्राम के लोगों को प्राथमिकता दें।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, डीएफओ रायगढ़ सुश्री स्टायलो मण्डावी, डीएफओ धरमजयगढ़ श्री अभिषेक जोगावत, एडीएम सुश्री संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम सुनील कुमार चंद्रवंशी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर गोयल ने महिला बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा संचालित बालवाड़ी योजना की जानकारी ली। शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि प्राथमिक स्कूल के एक कमरे में बालवाड़ी का संचालन किया जाता हैं।

जहां आंगनवाड़ी में 3 से 6 वर्ष के बच्चे जाते है, उनमें से 5-6 वर्ष के बच्चों को 2 घंटों के लिए बालवाड़ी भेजा जाता है। जहां प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों द्वारा खेल-खेल के माध्यम से भाषा एवं गणित की शिक्षा दी जाती है। जिस पर कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि यह एक अच्छी योजना है, जिससे बच्चे बेहतर सीख सकते है। उन्होंने इसके बेहतर संचालन के लिए सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि दौरे के दौरान वे बालवाड़ी का भी विशेष तौर पर निरीक्षण करेंगे।

केन्द्र सरकार व राज्य शासन की योजनाओं से पात्र 162 नागरिक हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार, उप मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन एवं विकास मन्त्री अरुण साव के निर्देशानुसार रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा - निर्देशन में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान का तृतीय चरण प्रगति पर है । आज केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को जानकारी देकर अधिकाधिक संख्या में लाभान्वित करने नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 के संत रामदास वार्ड क्रमांक 25 के तहत भक्त माता कर्मा मार्ग रामनगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तृतीय चरण का शिविर दिन की दूसरी पाली में लगाया गया। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 7 के तहत संत रामदास वार्ड क्रमांक 25 के शिविर की व्यवस्था का अवलोकन संत रामदास वार्ड क्रमांक 25 के पार्षद भोलाराम साहू, वार्ड 22 के पार्षद कुंवर रजियंत सिंह ध्रुव, पूर्व पार्षद ओंकार बैस ने जोन 7 जोन कमिश्नर जसदेव सिंह बाबरा , कार्यपालन अधियंता सुशील मोडेस्टस सहित अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर में 1371 नागरिकों ने केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इसमें विभिन्न योजनाओं में पात्रता अनुसार 162 नागरिक पंजीकृत किये गये। शिविर में केन्द्र सरकार की लोक हितकारी पीएम विश्वकर्मा योजना से 31 नागरिक पात्रता अनुसार लाभान्वित हुए। शिविर में आयुष्मान कार्ड 31 नागरिकों को तत्काल बनाकर दिये गये, वहीं 55 नागरिकों को आधार कार्ड तत्काल बनाकर दिये गये। पीएम उज्जवला योजना में पात्र 18 हितग्राही महिलाओं को लाभान्वित किया गया। पीएम स्वनिधि योजना में पात्रता अनुसार 27 हितग्राहियों को पंजीकृत किया गया।

राजिम कुंभ कल्प में 3 मार्च से शुरू होगा विराट संत समागम : तैयारियां पूर्णता की ओर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। 24 फरवरी से प्रारंभ हुए राजिम कुंभ कल्प मेला की भव्यता दिनों दिन बढ़ रही है। वैसे तो राजिम कुंभ माघी पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक आयोजित होता है। इसके अंतर्गत विराट संत-समागम होता है, जिसका उद्घाटन रविवार 3 मार्च से होगा।

धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर राजिम मेला के संत समागम स्थल पर साधु-संतों, महामंडलेश्वरों, आचार्य महात्माओं के लिए विशाल डोम, स्विस कॉटेज, कुटिया तथा यज्ञ शाला का निर्माण किया गया है, जिसमें संत महात्माओं द्वारा विभिन्न प्रकार के यज्ञ अनुष्ठान को पूरी वैदिक रीतियों के साथ सम्पन्न कराया जाता है तथा संत समागम के विशाल मंच से संतों के प्रवचन आशीष वचन के

रूप में श्रद्धालुओं को सुनने का पुण्य लाभ मिलता है।

संत-समागम स्थल में प्रतिदिन होने वाले यज्ञ हवन के लिए विशाल यज्ञ शाला का निर्माण भी किया गया है। जहां राजिम कुंभ कल्प में पधारे संतों द्वारा नित्य प्रति वैदिक मंत्रोच्चारण से हवन किया जायेगा। रोजाना मुख्य मंच से शाम को संतो के उद्बोधन आम जनता के लिए रखा गया है। धर्म संसद में धर्म चर्चा के लिये आने वाले श्रद्धालुओं को मिल सके इसकी भी शासन द्वारा पर्याप्त मात्रा में समुचित बैठक व्यवस्था की गई है। किसी भी आगन्तुक को संतो के दर्शन तथा उनके अमृतवाणी का पूरा-पूरा लाभ दर्शक दीर्घा से श्रद्धालुगण उठा सके। भगवान राम को समर्पित यह कुंभ कल्प राम के प्रति आस्था और श्रद्धा का द्योतक है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि संत समागम भी राममय होकर राम की भक्ति में सराबोर होने का अवसर लोगों को मिलेगा। दर्शक दीर्घा में एक विशाल एलईडी स्क्रीन लगाई गई है ताकि दूर-दराज तक बैठे दर्शकों को संतो के दर्शन सहजता से मिल सके।

इस बार कुंभ में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद महाराज, अविमुक्तेश्वरानंद महाराज, सदानंद महाराज, पंडित प्रदीप मिश्रा, साध्वी ऋतंभरा दीदी, महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती, डॉ. शिव स्वरूपानंद, रामकृष्णानंद, यतींद्रानंद, डॉ. रामेश्वर, पंडोखर सरकार जैसे बड़े-बड़े दिग्गज शामिल होंगे। संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इन धर्म गुरुओं को कुंभ में शामिल होने का न्योता भेजा है। जिसपर महात्माओं ने आने का आश्वान दिया है।

जिले में 956 प्रधानमंत्री आवास के निर्माण कार्य हुए प्रारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 956 ग्रामीण हितग्राहियों के आवास निर्माण के कार्य प्रारंभ हो कर दिए गए हैं. सीईओ जिला पंचायत ने सभी अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवासों का निर्माण कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है. मानसून आने के पूर्व सभी आवासों के निर्माण कार्य पूर्ण कर लिये जाये.

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत संबित मिश्रा के द्वारा जिले के शेष एवं अधूरे ग्रामीण आवासों के निर्माण कार्य पूर्ण कराने के लिए अधिकारियों तथा मैदानी अमले की

सतत समीक्षा की जा रही है. इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करके आवास निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग भी की जा रही है।

उनके द्वारा कार्यो में पारदर्शिता तथा सुनियोजित तरीके से शत प्रतिशत आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराने के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर नोडल अधिकारी बनाये गये हैं. सीईओ जिला पंचायत के द्वारा आवास निर्माण पूर्ण कराने के लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों के सकारात्मक परिणाम फील्ड में प्रारंभ हुए 956 आवास निर्माण के रूप में परिलक्षित हो रहे हैं।

जनपद पंचायत करतला में 258, कोरबा में 251, पोडी उपरोडा में 210, पाली में 188 एवं जनपद पंचायत कटघोरा में 49 इस तरह कुल 956 आवासों के निर्माण कार्य शुरू हो गये हैं जिन्हें शीघ्र ही पूर्ण कराया जायेगा जिसका लाभ ग्रामीणों को स्वंय के नये पक्के घर के रूप में मिलेगा।

लेजर लाइट और सतरंगी रंगों से जगमगा रहा राजिम कुंभ कल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ शासन के धर्मस्व, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में राजिम कुंभ कल्प को रामोत्सव की थीम पर सजाया गया है। साथ ही विभिन्न धार्मिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मेला स्थल के नदी तट पर लेज़र लाइट प्रदर्शन के लिए संरचना बनाया गया है। जिसमें लेजर लाइट के माध्यम से विभिन्न आकृतिया बन रही है। जिसे दर्शक देख आनंदित हो रहे है। वहीं बड़े स्क्रीन में भगवान राम से जुड़ी श्रीडी प्रेजेंटेशन वाली शॉर्ट फिल्म दिखाई जा रही है। इसमें भगवान राम के जीवन चरित्र और आदर्शों को दिखाया जा रहा है। जिसे देखकर मेला आगंतुक भक्ति में भाव विभोर हो रहे है।

इसी के साथ शॉर्ट वीडियो के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न योजनाओ को भी दिखाया जा रहा है। जिसमे महत्वपूर्ण योजना महतारी वंदन योजना के बारे में वीडियो के रूप में जानकारी दी जा रही है। इसके अंतर्गत 1000 रू. प्रतिमाह विवाहित महिलाओं सहित पेंशन प्राप्त करने वाले परित्यक्ता और विधवा महिला को भी उनके प्राप्त पेंशन की अंतर राशि प्रदान की जायेगी। इसी के साथ अन्य योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

जिसे मेला घूमने आये मेलार्थियो को अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो रही है। मेला आगंतुक छत्तीसगढ़ शासन की योजना का पूरा-पूरा लाभ उठाने के लिए जागरूक हो रहे है। इसी तरह मामा-भांजा मदिर से लेकर लोमश ऋषि आश्रम तक सस्पेंसन ओवर ब्रिज (लक्ष्मण झूला) मेलार्थियों को और अधिक लुभा रही है। उसमे लगे लाइटिंग की ओर दर्शक अधिक आकर्षक हो रहे है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी जनसामान्य की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने साप्ताहिक जनदर्शन के माध्यम से जिले के दूर दराज से आये नागरिकों, ग्रामीणजनों की मांग, समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। इस दौरान नागरिकों ने बारी-बारी से अपना आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर गोयल ने जनदर्शन में आये ग्रामीणजनों से उनके आवेदन प्राप्त कर उनके नियमानुसार निराकरण करने के बारे में उन्हें अवगत कराया। आज जनदर्शन में पेंशन, राशन, आवास, राजस्व, चिकित्सा, भू-अर्जन, विद्युत, शिक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में ग्राम-रैबार के सरपंच अनुज कुंवर स्कूल में अहाता निर्माण के

संबंध में आवेदन लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि शा.प्रा.विद्यालय डीपापारा रैबार में बाउण्ड्रीवाल की आवश्यकता है। क्योंकि स्कूल में अहाता न होने के कारण बाहरी शरारती तत्व के लोग अनावश्यक घुस जाते है। जिसकी वजह से वहां के पढऩे वाले बच्चों को परेशानी हो रही है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को स्कूल में अहाता निर्माण के संबंध में निर्देश दिए।

इसी तरह सोनुमुड़ा निवासी श्रीमती शशीकला भट्ट शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाए जाने के संबंध में कलेक्टर से निवेदन किया। उन्होंने बताया कि वह छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के पंजीयन श्रेणी में आती है। उन्होंने बताया कि उसे प्रथम पुत्र रत्न की प्राप्ति में शासन से मिलने वाली राशि का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने इस योजना से लाभ प्रदाय करने हेतु आग्रह किया। कलेक्टर श्री गोयल संबंधित विभागीय अधिकारी को आवेदन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम-रेगड़ा के अब्दुल फरीद वृद्धा पेंशन प्रदाय के संबंध में आवेदन लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि उनका कोई सहारा नहीं है, चूंकि वृद्ध होने की वजह से कही काम भी नहीं कर पा रहे है। ऐसे में जीवन-यापन में कठिनाई हो रही है।

कलेक्टर गोयल समाज कल्याण विभाग को आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। तहसील तमनार के ग्राम आमगांव निवासी छत्रपाल नायक धान राशि भुगतान के संबंध में आये थे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा बेचे गये धान की आधी राशि तो उन्हें मिल गयी है, परंतु शेष बची हुई राशि को एक सप्ताह में भुगतान हो जाने संबंधी आश्वस्त किया गया था। किन्तु आज दिनांक तक उक्त राशि लंबित है। उन्होंने कलेक्टर से शेष राशि को शीघ्र दिलवाये जाने संबंधी आग्रह किया।

ग्राम-बिजना के ग्रामीण बिगड़े बोर पंप को बनवाने संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि बीते एक माह से गांव का बोर खराब होने की वजह से यहां के रहवासियों को पानी के लिए बहुत परेशानी हो रही है। इस संबंध में वहां के सरपंच एवं सचिव को भी जानकारी दी गई है परंतु आज पर्यन्त तक उसका कोई निराकरण नहीं हो पाया है। आगामी ग्रीष्म ऋतु आने वाली है, जिससे पानी को लेकर और समस्या हो जाएगी। ग्रामवासियों ने जल्द से जल्द बोर बनवाने हेतु आग्रह किया। कलेक्टर गोयल ने ईई पीएचई को शीघ्र ही इसका निराकरण करने के निर्देश दिए। ताकि वहां के रहवासियों को पानी का किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

ओडिशा से गांजा लेकर मध्य प्रदेश जा रही दो महिलाओं समेत पांच तस्कर पकड़े गए

रायगढ़। ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते विभिन्न प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध तरीके से मादक पदार्थ गांजा की सप्लाई हो रही है। ऐसे में डोंगरीपाली पुलिस ने गांजा तस्करी कर रहे बोलेरो वाहन में दो महिला समेत तीन व्यक्तियों को बिरनीपाली बेरियर में पकड़े गए है। पांच तस्करों से व्यक्तियों तस्करो से पुलिस को 40 किलो गांजा मिला है जिन पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया है।

मुखबिर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि बुलेरो प्लस वाहन में कुछ लोग गांजा तस्करी कर रहे हैं। ऐसे में संबंधित पुलिस थाना के प्रभारी ने उच्च अधिकारियों को पूरे प्रकरण से अवगत कराते हुए घेराबंदी बढ़ा दिए। यही स्थिति बिरनी पाली जांच नाका बेरियर का भी रहा। इसी बीच ग्राम बिरनीपाली बेरियर के आगे सोहेला बरमकेला मुख्य मार्ग पर बोलेरो प्लस वाहन ओडी 15 बी 6091 में सवार 2 महिला समेत पांच व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर सोहेला ओड़िसा से बरमकेला की ओर आते नजर आए। संदिग्ध वाहन को रुकवाया गया। वाहन की जांच पड़ताल के साथ उसमें सवाल व्यक्तियों की सुध लिया गया। पूछताछ में सभी लोग गोल माल जवाब दे रहे थे। जब सभी को वहां से उतर कर वाहन की जांच की गई तो सीट के नीचे 40 किलो गांजा पुलिस को मिला। तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा सभी को हिरासत में लिया गया।

वही गांजा के साथ आरोपित नोद साहू पिता सुदर्शन साहू उम्र 45 वर्ष बांदूरटिकरा वार्ड नं 18 थाना बरगढ़ जिला बरगढ़ उड़िसा, बसुंदरलाल कोल पिता बढ़ी कोल उम्र 49 वर्ष साकिन मरेला, पोस्ट पंडरी थाना तहसील सिरमौर जिला रींवा मप्र, लुकेश कोल पिता पन्नालाल कोल उम्र 48 वर्ष साकिन मरैला, पोस्ट पंडरी थाना तहसील सिरमौर जिला रीवा मप्र, रज्जन कोल पति सुंदरलाल कोल 35, पोस्ट पंडरी थाना तहसील सिरमौर जिला रीवा, गुंथी कोल पति स्व पन्नालाल कोल उम्र 65 वर्ष मरैला, पोस्ट पंडरी थाना तहसील सिरमौर जिला रीवा मप्र से 40 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती करीबन (चार लाख रू.) का बरामद कर जब्त किया गया। घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरों प्लस वाहन को जप्त किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत कार्यवाही किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। कार्यवाही में समस्त थाना स्टाफ व बेरियर में तैनात जिला पुलिस तथा आबकारी पुलिस बल का विषेश योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़ा शाहरूख खान, साथियों के साथ की थी सूने मकान में सेंधमारी, यूपी का है गैंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव पुलिस ने सूने मकानों में सेंधमारी करने वाले गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। गिरोह का सरगना शाहरुख खान अपने साथियों के साथ चोरी की वारदात को अंजाम देता था। 25 फरवरी को हुई एक चोरी के बाद के बाद पुलिस ने इन पर सिकंजा कसा। पुलिस ने शाहरुख खान के साथ उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने पांच लाख से ज्यादा का कैश और सोने चांदी के जेवरात जब्त किए हैं। यह पूरी कार्रवाई जिले की बसंतपुर पुलिस व साइबर सेल की टीम ने की है। शातिर गैंग यूपी का है।

मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगांव शहर के महेश नगर में 25 फरवरी को सूने मकान का ताला तोड़कर आरोपियों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। जहां अलमारी में रखी नकदी और सोने-चांदी के जेवराज चोरी कर लिए थे। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस अलर्ट हुई और चोरों की पतासाजी में जुट गई। बसंतपुर थाना पुलिस और साइबर सेल की टीम ने जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस ने एक सिल्वर कार जो संदिग्ध वाहन थी, उसे ट्रेस किया। जहां आसपास के प्रदेश की पुलिस को अलर्ट किया गया।

जबलपुर पुलिस की मदद से मिली सफलता

पुलिस को सीसीटीवी की मदद से पता चला कि मध्य प्रदेश की ओर यह कार गई है, जहां जबलपुर पुलिस की मदद से राजनांदगांव पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पांच लाख 63 हजार रुपये नकद सोने-चांदी के जेवराज, बरामद किया है। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से कार से आकर आरोपियों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता था। मामले में शाहरुख खान और दो अन्य साथी चोरों को गिरफ्तार किया गया है।

सीएसपी राजनांदगांव अमित पटेल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से कार से आकर आरोपियों द्वारा घर की रेकी करते हुए सूने मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया जाता था। शहर के महेश नगर में भी आरोपियों ने 25 फरवरी को चोरी की घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई थी। जल्द ही पुलिस को सफलता मिली और आरोपियों को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

कोरबा में 14 लोगों से 615 लीटर महुआ शराब जब्त

कोरबा। विशेष अभियान चलाकर थाना-चौकी के मुख्य मार्ग, चौक चौराहों पर पुलिस ने पेट्रोलिंग किया। इसके साथ ही अवैध शराब एवं शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर पुलिस द्वारा अलग-अलग जगह पर कार्रवाई करते हुए 14 प्रकरणों में कुल 615 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं 45 पाव प्लेन देसी मदिरा शराब जब्त किया। साथ ही 14 लोगों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाके एवं आम जगह पर शराब का सेवन करते हुए मिले 66 लोगों के विरुद्ध 36 (च) के तहत कार्रवाई की गई।

इसके साथ ही पुलिस द्वारा अवैध रूप से महुआ शराब बनाने, रखने एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध भी अभियान चलाया। इसमें थाना उरगा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चितापाली से 300 लीटर, शराब हरदीबाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भलपरी से 23 लीटर, ग्राम खमिरया से 45 लीटर एवं ग्राम नवसा से 50 लीटर महुआ, शराब बांकीमोंगरा क्षेत्र अंतर्गत अहिरन नदी पुल ऊपर से 45 पाव देसी प्लेन, शराब बांगो क्षेत्र अंतर्गत डूमरमुडा से 30 लीटर, बांगो डैम के पास से 04 लीटर कच्ची महुआ, थाना दीपका क्षेत्र अंतर्गत सिरकी खुर्द से 23 लीटर, रेलवे फाटक कृष्णा नगर से 75 लीटर कच्ची महुआ, थाना कटघोरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुडरूमुडा से 20 लीटर, विजयपुर रोड किनारे से चार लीटर, चकचकवा मोड़ बायपास रोड

से 15 लीटर कच्ची महुआ, चौकी राजगामार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करवा से तीन लीटर, ग्राम बासीनखार से तीन लीटर कच्ची महुआ शराब को जब्त किया गया।

पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा पेट्रोलिंग किया। इस दौरान मुख्य चौक बौराहा एवं भीडभाइ वाले इलाकों में जाकर पेट्रोलिंग किया गया गलत तरीके से वाहन चलाने वाले एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। ब्रिध एनालाइजर के माध्यम से जिले के सभी थाना क्षेत्र में कार्रवाई की। लगातार हो रहे एक्सीडेंट में कमी लाने के लिए पुलिस ने विशेष विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, पिकअप ट्रक एवं ट्रेलर की जांच की गई और उन्हें शराब पीकर वाहन न चलाने और ना ही अपने करीबियों को नशे की हालत में वाहन चलाने देने की समझाइश दी गई। पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 20 लोगों के विरुद्ध 185 एमव्ही एक्ट के तहत कार्रवाई की। अभी तक पुलिस 254 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई कर चुकी है।

भिलाई में पीएमओ के अफसर के घर लाखों की चोरी, सोने चांदी के जेवर के साथ 300 डॉलर भी पार, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में प्रधानमंत्री कार्यालय में पदस्थ अफसर के घर पर लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। इस मामले में स्मृति चौकी में अफसर ने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। अफसर के घर से अज्ञात चोर ने सोने चांदी के जेवरात व नगदी सहित 300 यूएस डॉलर भी पार कर दिया। शिकायत मिलने के बाद स्मृति नगर पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्मृति नगर चौकी से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय, भिलाई (एनटीआरओ)

में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत रजत द्विवेदी (58) ऑफिस के काम से 19 फरवरी को जगदलपुर गए थे। 24 फरवरी की सुबह उनकी पत्नी मोनिका घर में ताला लगाकर बहन के पास कर्नाटक चली गई। इस बीच 25 फरवरी की सुबह 11.30 बजे पड़ोस में रहने वाले नरेश ने कॉल कर बताया कि आपके घर का ताला टूटा हुआ है। तब रजत द्विवेदी ने नरेश को घर अंदर जाकर देखने कहा।

अंदर जाकर देखने पर पता चला कि बांउड्रीवाल के गेट का ताला, मेन दो दरवाजे की कुंडी और चार अलमारी टुटी हुई है। इसके बाद शाम को रजत द्विवेदी घर पहुंचा और चोरी के सामान का आंकलन शुरू किया। अज्ञात चोरों ने अलमारी में रखे पुराने इस्तेमाली सोने के जेवरात जिसमें दो नग सोने की चेन 3.5 तोला, एक नग सोने का कंगन 1 तोला, एक नग सोने का कान का टाप्स 5 ग्राम, नगदी 10 हजार तथा 300 यूएस डालर चुरा ले गया। चोरी गए सामान का कुल मूल्य 3 लाख रुपए के आसपास है। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूरजपुर में डॉक्टर ने लगाई फांसी: सुसाइड नोट में लिखा-जिंदगी से तंग आ गया हूं, तीन माह पूर्व छोड़ा था बीएमओ का पद

सूरजपुर (ए)। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर ने मंगलवार को ड्यूटी से लौटने के बाद देर शाम ग्राम करंजवार स्थित निवास में फांसी लगा ली। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे से सुसाइड नोट बरामद किया है। डॉक्टर कुछ माह से अत्यधिक डिप्रेशन में थे। उन्होंने करीब तीन माह पूर्व बीएमओ का पद छोड़ दिया था। बुधवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर अखिलेश विश्वकर्मा मंगलवार को ड्यूटी से शाम को वापस अपने घर करंजवार पहुंचे। शाम करीब 7.30 बजे उन्होंने अपने

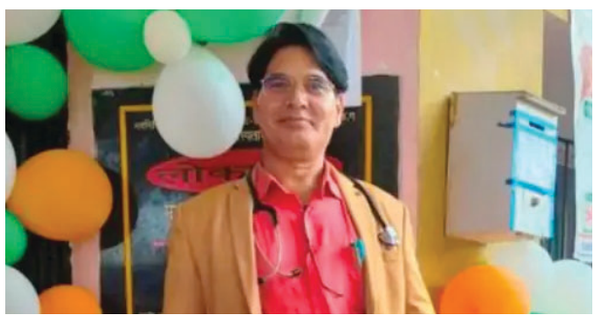

कमरे में फांसी लगा ली। कुछ देर बाद बेटे-बहु ने उन्हें फांसी पर झूलता देखा तो आनन-फानन में उनके जिंदा होने की उम्मीद होने पर फंदे से नीचे उतारा गया, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर प्रतापपुर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ध्रुवे, बीएमओ डा.विजय सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी, अनूप विश्वास, करंजवार सरपंच विक्रम सिंह एवं विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कमरे में सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मैं अपनी जिंदगी से तंग आ चुका हूं, मैं जीना नहीं चाहता, इसलिए आत्महत्या कर रहा हूं, इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। डॉक्टर अखिलेश विश्वकर्मा जाने माने चिकित्सक थे। करीब तीन माह पूर्व उन्होंने बीएमओ का प्रभार छोड़ दिया था। सहकर्मियां एवं उन्हें जानने वाले लोगों ने बताया कि डा. अखिलेश विश्वकर्मा कुछ समय से डिप्रेशन में थे। करीब ढाई वर्ष पूर्व कोरोना में उनकी दूसरी पत्नी की मौत हो गई थी। नीट की तैयारी कर रहे उनके बेटे ने फांसी लगा ली थी।

डॉ. अखिलेश विश्वकर्मा की पहली पत्नी की मौत काफी समय पहले हो गई थी। वे फिलहाल अपने बेटे-बहु के साथ करंजवार में रह रहे थे। बेटे-बहु से संबंध को लेकर भी वे परेशान थे। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम बलिया में किया जाएगा। घटना को लेकर प्रतापपुर में शोक है।

रेत व गिट्टी के अवैध परिवहन पर सख्ती, पुलिस व खनिज विभाग की संयुक्त कार्रवाई, 28 हाईवा व ट्रेक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में रेत व गिट्टी के अवैध खनन, परिवहन पर अंकुश लगाने मंगलवार को पुलिस व खनिज विभाग की टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। संयुक्त कार्रवाई के दौरान रेत व गिट्टी के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जिले में अलग- अलग क्षेत्र से 28 हाईवा व ट्रेक्टर वाहनों को जब्त किया गया। वाहन मालिकों व वाहन चालकों के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 (5) तथा खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन, 1957 की धारा 21 (5) के तहत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के एसपी विवेक शुक्ला व खनिज अधिकारी हेमंत चेरपा के दिशा निर्देश पर जिले में रेत व गिट्टी के अवैध खनन, बिक्री व परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को जिला

पुलिस एवं खनिज विभाग जांजगीर द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान जिले के अलग अलग स्थलों से 28 हाईवा व ट्रेक्टर को रेत व गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए उक्त वाहनों को जब्त किया। उत्क कार्रवाई में प्रदीप कुमार सोरी SDOP जांजगीर, निरीक्षक तुलसिंह पट्टावी थाना प्रभारी अकलतरा, निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी बम्हनीडीह, उपनिरीक्षक विनोद जाटवर, एएसआई सरोज पाटले, प्रधान आरक्षक मिलन राठौर, रमेश त्रिपाठी एवं खनिज विभाग से उत्तम खुंटे खनिज निरीक्षक एवं उड़नदस्ता टीम का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड-बेमेतरा (छ.ग.)

Gov.mail: eeprobem.phe-cg@nic.in

मैन्यूअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में प्रतिशत दर पर जिला-बेमेतरा के विकासखंड बेमेतरा एवं नवागढ़ के अंतर्गत क्रमशः बेमेतरा समूह जल प्रदाय योजना (57 ग्राम) एवं नवागढ़ समूह जल प्रदाय योजना (54 ग्राम) के संचालन-संधारण कार्य हेतु रॉ वाटर एवं क्लीयर वॉटर पंम्पिंग मेन एवं ग्रेव्हिटी मेन 100 मिमी. से 350 मिमी. के अंतर्गत डी.आई. के.-7 एवं के.-9 पाईप लाईन का सुधार कार्य की निविदा हेतु मैन्यूअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम क्रमांक	नि.आ.सू.क्र. एवं दिनांक	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
01	153330	15/26.02.2024	विकासखण्ड बेमेतरा स.ज.प्र. योजना के 57 ग्रामों हेतु	33.70
02	153345	16/26.02.2024	विकासखण्ड नवागढ़ स.ज.प्र. योजना के 54 ग्रामों हेतु	31.94

1. बिड प्रारंभ की तिथि : 04.03.2024
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि : 18.03.2024

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eprocurement.cgstate.gov.in में दिनांक 04.03.2024 में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

जी-08119/5

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल बेमेतरा जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

-: वार्षिक एवं अर्द्ध वार्षिक निविदा प्रथम बार :-
निविदा वर्ष 2024-2025

क्रमांक 500 / निर्वाह / 2024 बेमेतरा, दिनांक 16.02.2024

जिला जेल बेमेतरा में परिरुद्ध बंदियों के लिये खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक सामग्रियां का क्रय हेतु वार्षिक निविदा एवं सब्जियों का क्रय हेतु अर्द्ध वार्षिक निविदा सीलबंद निविदाये दिनांक 21.03.2024 को अपरान्ह 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारी निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में सुबह 9.00 बजे से अपरान्ह 1.00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में आवेदन प्रस्तुत कर 5000/- (रु. पांच हजार मात्र) नगद भुगतान कर दिनांक 20.03.2024 को दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त कर सकते है या जेल विभाग के विभागीय वेबसाईट www.jail.cg.gov.in से भी निविदा की संपूर्ण जानकारी, निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। बशर्ते निविदा प्रपत्र जमा करने के पूर्व आवेदन शुल्क कार्यालय में जमा कराना होगा।

निविदा बिकी की अंतिम तिथि -
दिनांक 20.03.2024 समय अपरान्ह 01.00 बजे तक।
निविदा जमा करने की तिथि -
दिनांक 21.03.2024 समय अपरान्ह 02.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि -
दिनांक 21.03.2024 अपरान्ह 03.00 बजे ।

स्थान-कार्यालय अधीक्षक, जिला जेल बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

जेल अधीक्षक,
जिला जेल बेमेतरा,
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

जी-08139/6

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

स्व-विवरणी में गलत गणना पर वसूली एजेंसी को निगम ने थमाया नोटिस

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई ने कर वसूली एजेंसी मेसर्स श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स प्रा. लिमिटेड द्वारा सत्यता जॉच में निगम क्षेत्र के भवन का गलत दर पर गणना पाये जाने पर अनुबंध शर्त में उल्लेखित कंडिका के अनुसार 4 लाख 1 हजार 851 रूपये अधिरोपित कर एजेंसी से वसूली हेतु नोटिस जारी किया है। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने प्राप्त शिकायत के आधार पर श्रीमती उषा रानी दास एम.आई.जी-2 हाउसिंग बोर्ड, मंजू दुबे सी-15 विजय काम्पलेक्स, संतोष गोयल ए-1 विजय काम्पलेक्स, श्री चंद दुबे सी-16 फ्ल मार्केट सुभाष नगर के भवनो का सम्पत्ति कर स्व-विवरण फार्म में गणना जिस दर पर किया गया वह उस क्षेत्र के निर्धारित दर से अलग कर एजेंसी द्वारा निगम को आर्थिक क्षति पहुॅचाया जा रहा है। जिस पर आयुक्त ने विभागीय अधिकारी से उक्त 4 भवन के स्व-विवरणी का सत्यता जॉच करवाया गया तो शिकायत सही पाया गया। जिस पर भवन स्वामी को नोटिस जारी किया गया नोटिस की अवधि 60 दिन पूर्ण होने पर 4 भवन मालिको से 5 गुणा शास्ति शुल्क के रूप में 8 लाख 3 हजार 7 सौ रूपय की वसूली का नोटिस दिया गया है। स्व-विवरणी में गलत गणना करने वाले कर वसूली एजेंसी मेसर्स श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स प्रा. लिमिटेड को अनुबंध शर्त के कंडिका क्रमांक 9.1 के अनुसार शास्ति शुल्क की राशि का 50 प्रतिशत यानि 4 लाख 1 हजार 851 रूपये अधिरोपित करते हुए वसूल किये जाने हेतु नोटिस जारी किया है।

मृतक के परिजनों को मिली 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गिरहोला तहसील अहिवारा जिला दुर्ग निवासी तरूण डहरिया की विगत 04 मार्च 2023 को नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। इसी प्रकार शांति नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग निवासी वामन चन्द्राकर की विगत 25 नवम्बर 2020 को नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. तरूण डहरिया के माता श्रीमती सरोजनी डहरिया को एवं स्व. वामन चन्द्राकर के पिता होरीलाल चन्द्राकर को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

पीएम योजना के आवास आबंटन 29 को लॉटरी से किया जायेगा

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रजत बिल्डर्स शांति नगर कोहका में निर्मित मकानो का 29 फरवरी को लॉटरी पद्वति से आवास आबंटन किया जाना है। योजना के तहत प्राप्त 421 आवेदनो में से 156 हितग्राही जिन्होने अपने अंशदान की राशि 10 प्रतिशत जमा किये है ऐसे हितग्राहियो को निगम के आवास शाखा द्वारा लाटरी में भाग लेने सूचना प्रेषित किया गया है। ये हितग्राही 29 फरवरी को प्रात: 11 बजे मुख्य कार्यालय सुपेला निगम प्रागंण में आयोजित लॉटरी में भाग लेकर अपनी किस्मत आजमाएगें। बता दें कि रजत बिल्डर्स में निर्मित कुल 36 आवासों का लॉटरी निकालकर 156 लोगो में आबंटन किया जाना है। जिसमे से भूतल के 12 आवास दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिको के लिए आरक्षित होगा। भिलाई निगम के अन्य क्षेत्र में निर्माणधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानो के आबंटन के लिए निगम मुख्य कार्यालय कक्ष क्रमांक-16 के काउन्टर में आवेदन जमा करने का कार्य भी किया जा रहा है।

निगम व पालिका के अफसर सुधारेंगे ट्रैफिक व्यवस्था सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर का निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य सड़कों पर हुई दुर्घटनाओं की रोड, थाना तथा सड़कवार रिर्पोट्स की गहन समीक्षा की तथा चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। खासबात यह है कि बैठक के दौरान यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कलेक्टर ने निगम के अधिकारियों को जिम्मेदारी संभालने कहा।

बैठक में जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए विभिन्न सुझावों पर विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। इसमें विशेष रूप से सड़कों से अवैध कब्जे हटाना, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक, रोड मार्किंग व गति नियंत्रक बोर्ड लगाना आदि शामिल है। कलेक्टर ने जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में यातायात जागरूकता बढ़ाने तथा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। नगरीय क्षेत्रों में प्रमुख सड़कों के किनारे व्यवसायियों द्वारा अवैध निर्माण, अव्यवस्थित पार्किंग और सड़कों पर निर्माण सामग्री रखने से यातायात प्रभावित होता है। कलेक्टर ने नगरीय निकायों के अधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने कहा। अधिक यातायात दबाव वाली सड़कों पर यातायात अवरूद्ध करने वाले अवैध निर्माण हटाने तथा सड़कों पर अव्यवस्थित सामग्री रखने वालों पर कार्रवाई करने कहा। कलेक्टर चौधरी ने जनवरी 2024 से 25 फरवरी 2024 तक सड़क दुर्घटनाओं की रोड, समय एवं वाहन वार समीक्षा की। डीएसपी यातायात सतीश ठाकुर ने बताया कि जिले के ग्रामीण थानों में सड़क दुर्घटनाएं अधिक हो रही है। उन्होंने यह भी स्पस्ट किया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं शाम 6 बजे से 9 बजे के बीच होती है। रिपोर्ट्स के अनुसार दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण जागरूकता की कमी और शराब का सेवन कर वाहन चलाना है। इस पर कलेक्टर ने जनपद सीईओ को पंचायत स्तर पर जाकर जागरूकता लाने हेतु कार्यक्रम संचालित करने हेतु कहा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यदि किसी भी सड़क में बनावट के कारण दुर्घटना हो रही है तो जल्द से जल्द उनकी जांच कर ठीक करने कहा।

कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हुए सभी सदस्यों को उनके सुझावों और विचारों को साझा करने का आह्वान किया। समिति की ओर से विभिन्न निर्णयों की समीक्षा की गई और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव किया गया। इस समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सही दिशा में कदम उठाना है और सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूती देने के लिए नवाचारी उपायों का अनुसरण किया जाएगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, एडीएम अरविन्द एक्का, आयुक्त नगर निगम भिलाई देवेश ध्रुव, एसडीएम पाटन दीपक निकुंज, एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे, डीएसपी यातायात सतीश ठाकुर, आरटीओ शैलाभ साहू सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

संपदा न्यायालय के आदेश पर मस्जिद रोड से अवैध कब्जेधारियों को हटाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग तथा भट्टी थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा 27 फरवरी 2024 को मस्जिद रोड, जे पी चैक से लेकर भिलाई विद्यालय चैक (रोड नंबर-03) में अवैध कब्जेधारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

इन अवैध कब्जाधारियों द्वारा सड़क पर बांस बल्ली से घेराव कर दुकान लगाया जाता था, जिसके कारण सड़क पर ट्रैफिक जाम के कारण दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो जा रही थी। इसका संबंधित क्षेत्र के नागरिकों द्वारा निरंतर शिकायत भी किया जा रहा था।

सुपेला चैक में डेरा बनाकर रह रहे सभी खानाबदोश बंजारों को भी हटाया गया। इसके अलावा कुछ अनाधिकृत व्यावसायियों द्वारा लगाए गए 100 से अधिक कपड़े की दुकानों तथा चष्मा व बेल्टवालों की दुकानों को हटाया गया। इनके बांस बल्ली से निर्मित इनके अस्थाई दुकानों को तोड़कर, बास बल्ली जप्त किया गया। आज की गई कार्यवाही के तहत महिला पेट्रोल पंप के बगल से लेकर सतनाम भवन तक अवैध निर्माण को हटाया गया। कार्यवाही के दौरान भट्टी थाना पुलिस, टी आई विपिन रंगारी, प्रवर्तन अनुभाग के अधिकारी व कर्मचारी, पुलिस सहित महिला व पुरुष प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड उपस्थित थे। जेसीबी की सहायता से अवैध कब्जों को हटाया गया। इन अवैध कब्जेधारियों, ठेले, खोमचा वालो के विरुद्ध कार्यवाही माननीय संपदा न्यायालय के आदेश पर किया गया। अवैध कब्जेधारियों, भू माफ्यिाओं और दलालों के विरुद्ध प्रवर्तन विभाग द्वारा कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि विगत दो-तीन दिनों से सिविक सेंटर में भी अवैध कब्जाधारियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। सिविक सेंटर में फ ास्ट फूड सेंटरों, पंडित चाय सहित अन्य सभी अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ कार्यवाही की गई।

संकल्प यात्रा के दूसरे दिन में 1 हजार से ज्यादा लोग जुड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा के आज दूसरा दिन की शिविर में 1 हजार 74 से ज्यादा लोग जुड़े,मंगलवार को शनिचरी बाजार एवं केलाबाड़ी शिविर में 1000 से ज्यादा लोगो ने योजना का लाभ लेने पंजीयन कराया।

इस अवसर पर अधिकारी ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार हो रहा है, बल्कि हितग्राहियों को लाभ भी मिल रहा है। शिविर में आधार कार्ड अपडेट से लेकर लगभग दसयोजनाओं का स्टॉल लगाया गया है।आज के शिविर में विभिन्न शासन की योजनाओं के आवेदन प्राप्त हुए।आज क्षेत्र के दोनो शिविरों में 193 से ज्यादा लोगो ने अपना निशुल्क स्वास्थ्य चेकअप कराया,विकसित संकल्प यात्रा शिविर में लोगो ने शासन की योजनाओं का लाभ लिया,बता दे कि कल दिनाँक 28 फरवरी दिन बुधवार को क्षेत्र के दो स्थानों पर वार्ड क्रमांक 52 शीतला चौक हनोदा रोड बोरसी में सुबह 8 से दोपहर 2 तक और वार्ड क्रमांक 04 मुक्तिधाम रोड गया नगर में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक संकल्प रथ रहेगी।दोनों ही शिविरों में स्वास्थ्य जांच, आयुष्मान भारत,पी.एम. स्वनिधि,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,आधार पंजीयन तथा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के स्टॉल लगाये गये।

महापौर धीरज बाकलीवाल 7 मार्च को सामान्य सभा मे पेश करेंगे अपने कार्यकाल के अंतिम बजट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम में सामान्य सभा की बजट 7 मार्च को सुबह 11 बजे नगर पालिक निगम के श्रध्देय मोतीलाल वोरा सभागार में अंतिम बजट बैठक होगी। नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल एवं

सभापति राजेश यादव के आदेशानुसार सामान्य सभा की अंतिम बजट बैठक बुलाई गई है। सभापति राजेश यादव की अध्यक्षता में नगर निगम की सामान्य सभा की बजट बैठक आयोजित की जाएगी। पहले से ही तय एक घंटे में ही प्रश्नकाल की कार्यवाही होगी। इसके बाद नगर निगम की एमआईसी की ओर से बैठकों में लिए गए संकल्पों पर शासकीय नियम से निर्धारित एजेंडों पर नियमानुसार चर्चा और विचार-विमर्श किया जाएगा। बता दे कि सचिवालय द्वारा नगर पालिक निगम (कामकाज के संचालन की प्रक्रिया) नियम 2016 के नियम 18 के तहत विकास कार्यो एवं अन्य विषयों पर प्रश्न पूछना एवं प्रश्न पृथक-पृथक आवेदन में 1 मार्च 2024 को समय दोपहर 2 बजे तक अपना लिखित प्रश्न 3 (तीन) प्रति सचिवालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है।

नए कानून संहिता के संबंध में दुर्ग रेंज के पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय सेमिनार का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दिनांक 26.02.2024 को पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में भारत की संसद द्वारा पारित किए गए नए कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को अपनाने के विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन एस.एन.जी सेक्टर 4 भिलाई के सभागार में किया गया ।

कार्यक्रम के शुभारंभ में माँ सरस्वती जी की वंदना एवं द्वीप प्रज्वलन के लिए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सेवानिवृत विशेष पुलिस महानिदेशक आर के विज , महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग राम गोपाल गर्ग, पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री अभिषेक झा तथा रेंज से आए पुलिस के अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन में पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला द्वारा कार्यशाला के विषय एवं उसकी महत्ता के संबंध में बताया गया। जिसके बाद पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के द्वारा नवीन भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के विषय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए ध्यान देकर ,समझने की बात रेंज से आए सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीयों को कहा। कार्यशाला के मुख्य वक्ता सेवानिवृत विशेष पुलिस महानिदेशक आर के विज (भा.पु.से) के द्वारा नए कानूनों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नए कानून के संबंध में कहा कि पुराने कानून भारतीय दंड संहिता को अब भारतीय न्याय संहिता किया गया है जिसमे फेकस दंड से ज्यादा न्याय पर आ गया है, उन्होंने आगे कहा कि नए कानून में बहुत सारी और चीजे आ रही है अब इन्वेस्टिगेशन की प्रोग्रेस को पीड़ित को बताना जरूरी रहेगा । साथ ही अन्य कई महत्वपूर्ण बातों को बताते हुए, रेंज से उपस्थित आए अधिकारी/कर्मचारियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए।

साथ ही कार्यशाला में व्याख्यान हेतु उपस्थित श्रीमती मुकुला शर्मा संयुक्त संचालक लोक अभियोजन सरगुजा के द्वारा भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संबंध में महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया। उन्होंने पुराने कानून एवं नए कानून के संबंध में पीपीटी के माध्यम से अनुसंधानकर्ताओं को नए आपराधिक कानूनों को धाराओं और सजा से अवगत कराया गया एवम उनको जागरूक कर उनकी क्षमता को विकसित कर प्रभावी कार्य करने के लिए समस्त अधिकारियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतिम व्याख्यान के संबंध में देवांश सिंह राठौर , पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन के द्वारा उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के परिपालन में अपनी बात रखी। उन्होंने माननीय न्यायालय के द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों को साझा करते हुए महत्वपूर्ण प्वाइंट्स बताएं।

सभी विभागों में हो आंतरिक शिकायत समिति का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि सभी विभागों में शासन द्वारा कामकाजी महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिंग उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) अधिनियम-2013 की धारा के क्रियान्वयन हेतु जारी मार्गदर्शी निर्देशों के तहत महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिंग उत्पीड़न रोकने हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाए। यदि पूर्ववत् समिति गठित हो तो इसका पुनर्गठन किया जाए।

किसी विभाग में समिति गठन नहीं हुआ हो तो उक्त समिति का गठन अनिवार्यत: कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि विभागां में प्रकरण लंबित न रखे, कार्यालय में उक्त विषय से संबंधित शिकायत होने पर समिति द्वारा त्वरित कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि जिले में महतारी वंदन योजना के तहत जारी अनंतिम सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं होना चाहिए। जिन आवेदक महिलाओं का बैंक खाता में आधार लिंक नहीं है, उन्हें योजना का लाभ दिलाने आधार लिंक करने नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों की विशेष पहल किया जाए। कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी ने महतारी वंदन योजना अंतर्गत जमा आवेदन और दस्तावेज सत्यापन की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया गया कि जिले में योजना अंतर्गत 4 लाख 296 आवेदन प्राप्त हुए है। आवेदनों के सत्यापन पश्चात् एक मार्च को अंतिम सूची जारी की जाएगी। जिन आवेदकों का बैंक खाता आधार लिंक नहीं हुए है उन सभी के खातों से आधार लिंक करने के लिए 29 फरवरी तक का समय दिया गया है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित समय तक हितग्राहियों के आधार सीडिंग पर विशेष ध्यान देने कहा है।

कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी ने नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की बेहतर सुविधा हेतु सड़कों को निर्माण सामग्रियों व कबाड़ सामग्रियों से मुक्त रखने अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा है कि आमतौर पर लोग सड़कों एवं गलियों में अनाधिकृत रेट, गिट्टी, ईंटे आदि रखकर आवागमन में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। इसी प्रकार कंडम गाड़ियों को भी सड़क किनारे खड़ी कर सड़क जाम करते हैं, जिससे आमजनता को परेशानी होती है। उन्होंने नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों को सड़कों पर रखे निर्माण सामग्री एवं कंडम वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार जप्ती की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी ने पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। महाप्रबंधक उद्योग द्वारा अवगत कराया गया कि योजना अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों से 32 हजार आवेदन प्राप्त हुए है। कलेक्टर चौधरी ने आवेदकों को प्रशिक्षण हेतु कार्ययोजना तैयार कर प्रशिक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी ने विगत दिवस जिले में आयोजित रोजगार मेला के संबंध में जानकारी ली।

जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक ने अवगत कराया कि जिला प्रशासन द्वारा संचालित सृजन रोजगार अभियान के अंतर्गत जिला कौशल विकास प्राधिकरण और जिला स्वरोजगार कार्यालय द्वारा विगत 24 फरवरी को संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटंशन कोहका भिलाई में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेला में 22 निजी कंपनियों ने साक्षात्कार लिया था। एक हजार 976 युवाओं ने पंजीयन किया गया था। जिसमें 1267 साक्षात्कार में उपस्थित हुए। उक्त मेला में 583 युवाओं का चयन विभिन्न कंपनियों में हुआ है। कलेक्टर सु चौधरी ने जिले में अग्निवीर भर्ती हेतु नगरीय निकाय एवं जनपदवार लक्ष्य निर्धारित करने उप संचालक जिला रोजगार को निर्देशित किया।

दस दिवसीय शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का आयोजन कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में 29 फरवरी से 9 मार्च तक दस दिवसीय शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में ध्वनि एवं प्रकाश से सुसज्जित केदारनाथ मंदिर दर्शन एवं मनोरम चैतन्य झांकी होगी। जिसका समय प्रात: 6 बजे से 1 बजे तक एवं संध्या 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक रहेगा। इस आध्यात्मिक मेले के विशेष आकर्षणों में केदारनाथ मंदिर दर्शन, 45 फीट ऊंचा शिवलिंग, अनोखा अनवरत दुग्धाभिषेक, द्वादश ज्योर्तिलिंगम दर्शन, आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी, शिव व शंकर की चैतन्य झांकी व बच्चों के लिए मूल्य आधारित खेल होगा। इस झांकी व शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला के विषय में जानकारी देते हुए ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा बहन ने बताया महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गत वर्ष भी आध्यात्मिक मेला एवं चैतन्य झांकी का आयोजन किया गया था जिसमें हर हर शंभू एलबम की प्रख्यात गायिका अभिलिप्सा पांडा ने अपनी प्रस्तुति दी थी। इस मेले को भक्तगणों का अच्छा प्रतिसाद मिला था। शहर से थोड़ा दूर होने के पश्चात भी सुदूर ग्रामीण अंचलों एवं शहर के लोग बड़ी संख्या में इस आध्यात्मिक मेले को देखने के लिए आते रहे हैं। इस वर्ष भी बहुत ही उमंग एवं उत्साह से पिछले एक माह से मेले की तैयारी शुरू की गयी थी जो कि अब पूर्ण होने आ रहा है एवं भक्तगणों के लिए यह मेला 29 फरवरी से प्रारंभ हो जाएगा।

उक्त आध्यात्मिक मेला के उद्देश्य के विषय में ब्रह्माकुमारी रीटा बहन ने बताया महाशिवरात्रि पर्व का सनातन संस्कृति में विशिष्ट महत्व है। दुनिया में जब किसी का जन्म होता है तो जन्मदिवस ही मानते हैं न की जन्मरात्रि। संपूर्ण जगत में देवों के देव महादेव भगवान शिव का ही एक ऐसा अनोखा स्वरूप है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950